www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 88 I नर्मदापुरम, बुधवार 25 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

वाराणसी में शाह की अध्यक्षता में हुई मध्यक्षेत्रीय परिषद की बैठक, मध्यप्रदेश, उत्तप्रदेश सहित 4 राज्यों के मुख्यमंत्री हुए शामिल

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचानः डॉ. यादव

दुनियाभर में भारतीयों की ढाल बनी सरकार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता कर संबोधित

कर रहे थे। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित उक्त राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत विकसित भारत 2047 के जिस मार्ग पर चल रहा है, उसमें राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद् और क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत तंत्र ने इन्हें केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि समाधान का माध्यम बनाया है। हमें सिखाया गया है कि विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन देश का भविष्य साझा है; दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षेत्रीय परिषद केवल प्रशासनिक विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास टीम इंडिया की भावना में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक का आयोजन हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कि हम भगवान श्रीराम, आराध्य श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और भगवान शिव के प्रिय निवास स्थान उत्तर प्रदेश की पुण्यभूमि पर एकत्रित हुए हैं। भारत के फेडरल स्ट्रक्चर को केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं बल्कि संवेदनशील नेतृत्व और संकल्प की शक्ति ही जीवंत बनाती है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में देखा गया है कि चाहे आपदा प्रबंधन हो, आंतरिक सुरक्षा या अधोसंरचना विकास, जब राज्य एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो भारत की गति दोगुनी हो जाती है।

प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से कराया अवगत

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की उपलब्धियों और विकास संबंधी जानकारियां प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि प्रदेश के अधिकारी एवं कर्मचारी की 9 वर्षों से पदोन्नतियां रुकी हुई थीं। ऐसी स्थिति में राज्य शासन की कार्य दक्षता एवं कर्मचारियों की पदोन्नति कर्मचारियों की नवीन नियुक्तियां एवं लोक सेवकों के मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। इसका निराकरण करते हुए मध्यप्रदेश में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 स्वीकृत किए गए हैं। जिससे प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पदोन्नति से जो 2 लाख पद खाली होंगे उनसे सीधी भर्ती के पदों पर नवीन नियुक्तियां की जा सकेगी। इस ऐतिहासिक निर्णय से शासकीय कर्मचारी के मनोबल में वृद्धि होगी एवं राज्य शासन की कार्य दक्षता बढ़ेगी।

विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, यह सत्र 8 अगस्त तक चलेगा। आज इस सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई। सत्र में सरकार विधेयकों के साथ अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के समक्ष पिछले साल अधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा की कार्यवाही को ई विधान से जोड़ने का फैसला किया गया था। ऐसे में 28 जुलाई से होने वाले सत्र में विधायकों को टैबलेट दिए जा सकते हैं। इसमें सदन से संबंधित सभी जानकारी के साथ प्रश्नोत्तरी, प्रदेश सरकार का बजट, विभागीय प्रतिवेदन समेत अन्य जानकारी डिजिटल फार्मेट में उपलब्ध रहेगी। यह सोलहवीं विधानसभा का छठवां सत्र होगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव ए पी सिंह के अनुसार 12 दिवसीय सत्र के दौरान 10 बैठकें होंगी। सत्र के लिए अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 9 जुलाई, संकल्पों की सूचनाएं 17 जुलाई, स्थगन ध्यानाकर्षण की सूचनाएं 22 जुलाई से प्राप्त की जा सकेगी।

13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया गया

1981 करोड़ के हथियारों की होगी आपात खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं को अत्याधुनिक हथियारों से लैस करने और आतंकवाद रोधी अभियानों में सेना की संचालन तथा मारक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आपात खरीद प्रणाली के तहत 1981 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक हथियारों की खरीद के 13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि सेना के लिए आपात खरीद मद के तहत 2,000 करोड़ की राशि स्वीकृत की गयी थी। आपात खरीद प्रणाली के तहत सेना के लिए एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), लो लेवल लाइटवेट रडार (एलएलएलआर), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) – लॉन्चर और मिसाइल, रिमोटली पायलटेड एरियल व्हीकल (आरपीएवी), वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (वीटीओएल), सिस्टम सहित लोइटरिंग म्यूनिशन, विभिन्न श्रेणियों के ड्रोरन, बुलेट प्रूफ जैकेट (बीपीजे), बैलिस्टिक हेलमेट, क्विक रिएक्शन फाइटिंग व्हीकल (क्यूआरएफवी) – भारी और मध्यम और राइफलों के लिए नाइट साइट्स जैसे हथियार और उपकरण खरीदे जायेंगे। आपात खरीद प्रणाली के तहत त्वरित प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाने वाली खरीद का उद्देश्य आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को कम से कम समयसीमा के भीतर पूरा किया गया है।

यह खरीद रक्षा मंत्रालय की सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आधुनिक, मिशन-महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय इससे पहले भी कई बार आपात खरीद प्रणाली के तहत सेनाओं के लिए खरीद कर चुका है।

वंदेभारत एक्सप्रेस में ऊपरी सतह से गिरने लगा पानी, यात्री हुए परेशान

वाराणसी, एजेंसी। देश की चर्चित सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक बार फिर सुर्खियों में है. वाराणसी से दिल्ली जा रही एक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की कोच में ही ऊपरी सतह से पानी गिरने से यात्री परेशान हुए। उन्होंने रेलवे से इसकी शिकायत भी की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस असुविधा को लेकर यात्रियों की तरफ़ से की गई शिकायत के बाद स्टेशन डायरेक्टर ने मामले पर संज्ञान लेते हुए टेक्निकल डिपार्टमेंट से पूरी स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मांगा है और कोच की इस गड़बड़ी को सही कराने के दिशा निर्देश दिए है.

रेल यात्री किराये में बढ़ोतरी की तैयारी

1 जुलाई से हो सकती है लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से मामूली वृद्धि हो सकती है। सूत्रों ने आज यहां बताया कि भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल एक्सप्रेस गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि करने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के अनुसार साधारण अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं होगी जबकि 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी के लिए किराए की दर आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

इसी प्रकार से उपनगरीय और मासिक या त्रैमासिक सीजन टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। इससे पहले रेलवे के यात्री किरायों में वर्ष 2014 में वृद्धि की गई थी। सभी श्रेणियों के यात्री किराए में 14.2 प्रतिशत और माल भाड़े में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी जो उस साल 25 जून से प्रभावी हो गई थी। वर्ष 2019 में मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी में यात्रियों को प्रति किलोमीटर 2 पैसे बढ़ाए गए थे। स्लीपर श्रेणी के किराये में 2 पैसे और प्रथम श्रेणी के किराए में भी 2 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। साधारण ट्रेनों के द्वितीय श्रेणी के किराये में प्रति किलोमीटर 01 पैसे और स्लीपर श्रेणी के लिए भी किराए में 01 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि प्रथम श्रेणी के किराए में 1 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। सभी वातानुकूलित श्रेणियों में एक समान 04 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यह वृद्धि जनवरी 2020 से लागू हुई थी।

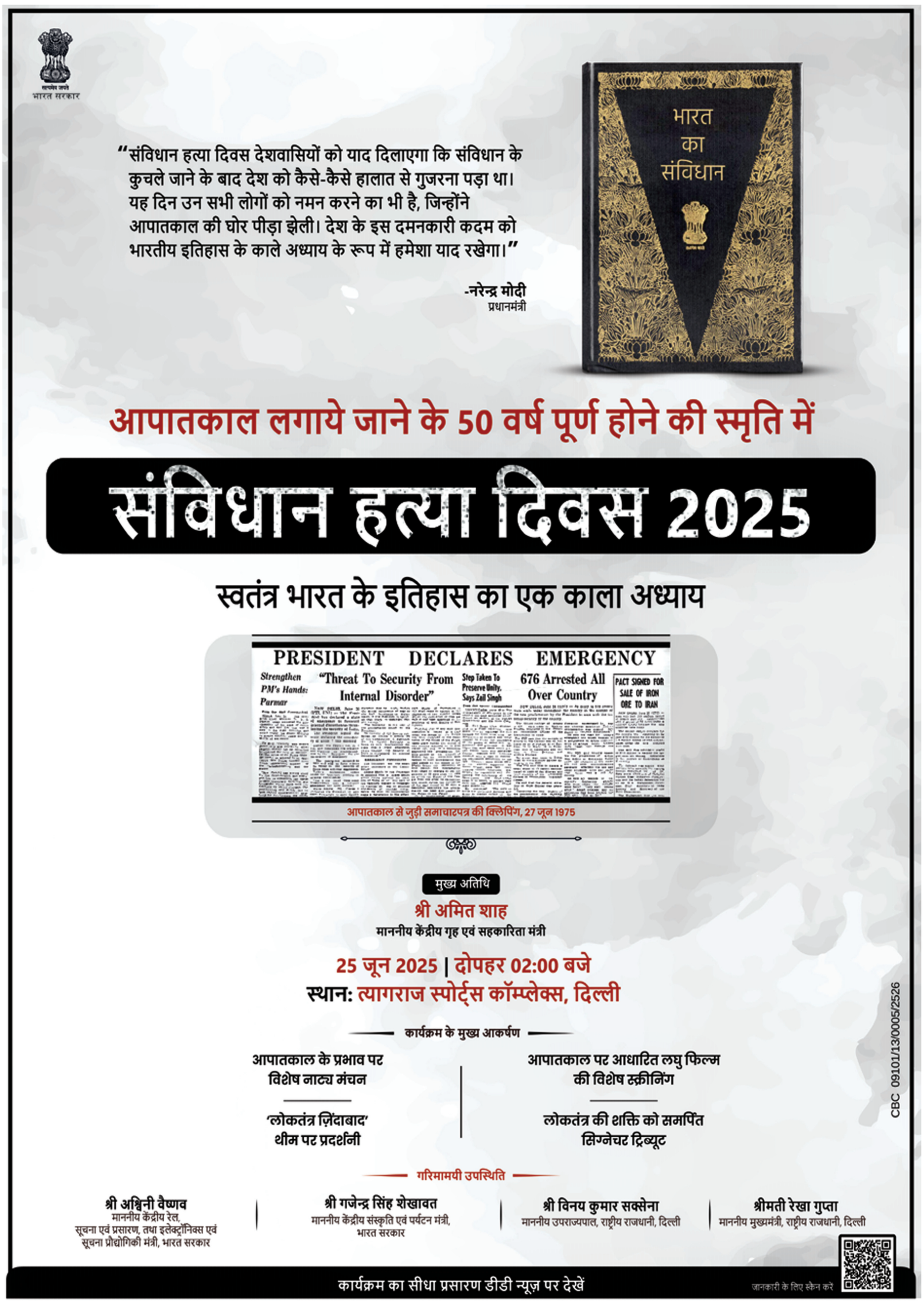

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

संस्कार विद्यापीठ के छात्र यश शर्मा को सुयश, मिला सम्मान और बधाई

हरदा , देशबन्धु। डिस्ट्रिक्ट चेस क्लब के तत्वावधान में जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें जूनियर ग्रुप एवं सीनियर ग्रुप वर्ग समूह में हरदा जिले के विभिन्न शतरंज खिलाडियों ने हिस्सा लिया ।शतरंज प्रतियोगिता में संस्कार विद्यापीठ के छात्र यश शर्मा ने अंडर 15 में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया हरदा जिला कलेक्टर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा यश शर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई । यश शर्मा की इस उपलब्धि पर संस्कार विद्यापीठ के प्रबंधक नटवर पटेल नवनीत पटेल प्राचार्य जयसिंह पवार एवं समस्त शाला परिवार ने यश शर्मा एवं उसके पालक सुरेश शर्मा को विद्यालय में सम्मानित किया इस अवसर पर समस्त शाला परिवार ने यश को बधाई दी एवं उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्या, किया निदान

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ एसडीएम कुमार शानु देवडिया, एसडीएम टिमरनी महेश बडोले, एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने कृषि उपज मण्डी खिरकिया का औचक निरीक्षण किया

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कृषि उपज मण्डी खिरकिया का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होने इस दौरान उपस्थित किसानों से चर्चा कर वहाँ आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया सहित मण्डी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर जैन ने एसडीएम खिरकिया डेहरिया को गोदामों का निरीक्षण कर मूंग का स्टॉक वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिये।

नशा मुक्ति अभियान में हरदा जिले ने प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान के तहत गतिविधियों के संचालन में हरदा जिले ने प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा नशा मुक्ति भारत अभियान को जून माह में तीव्र गति प्रदान की गई। उपसंचालक श्री सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री जैन के निर्देशन में अभियान के तहत 18 मास्टर ट्रेनर एवं 60 से अधिक वॉलिंटियर्स द्वारा सभी नगर पालिका, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत स्तर तक पहुँच कर कार्य किया जा रहा है।

रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लाईमेंट कान्क्लेव 27 को होगी

हरदा , देशबन्धु। प्रदेश में औद्योगिक, कौशल विकास, स्वरोजगार एवं रोजगार को बढावा देने के लिये 27 जून शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रतलाम जिले में रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लाईमेंट (राइज) कान्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबन्धक सचिन रोमड ने जानकारी दी।

देशबन्धु की खबर के बाद मच हड़कंप, बनखेड़ी में मूंग हेराफेरी कांड ने पकड़ी रफ्तार, एक के बाद एक हो रहे खुलासे

एफआईआर के बाद जब्ती और जांच में कई चौंकाने वाले पेच

शासकीय वेयर हाउस में हेराफेरी का मामला: 294 कट्टियों की हुई गिनती, वेयरहाउस कर्मचारी लगातार बदल रहे बयान, आरोपी अब भी फरार

बनखेड़ी (संवाददाता)। ग्राम मछेराकलां स्थित शासकीय वेयरहाउस में हुई करीब 300 कट्टी मूंग की हेराफेरी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। लगभग ढाई महीने की खामोशी के बाद 21 जून को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की, जिसमें वेयरहाउस मैनेजर शैलेश पाटिल और ट्रक ड्राइवर जीवन मेहरा को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर दर्ज होने के तीन दिन बाद मंगलवार को पुलिस ने थाने में खड़े ट्रक से मूंग की जब्ती बनाई। मामले की विवेचनाकर्ता एसआई पी.आर. मालवीय ने बताया कि वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के रीजनल मैनेजर अतुल सोठे सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में ट्रक को खोलकर गिनती की गई, जिसमें 294 कट्टियां मूंग की मिलीं। यानी 6 कट्टियों का हिसाब अब भी संदिग्ध बना हुआ है।

दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं -

गौरतलब है कि इस ट्रक को तत्कालीन तहसीलदार अलका एक्का ने प्रारंभिक जांच के दौरान पकड़ा था और बनखेड़ी थाने में खड़ा कराया था। उस समय 300 कट्टी मूंग लोड होने की बात कही गई थी।

बयानों का खेल कौन सच्चा, कौन झूठा..?-

मामले की शुरुआत में वेयरहाउस कर्मचारियो ने बार-बार अपने बयान बदले हैं। वेयरहाउस ऑपरेटर लखन लोधी ने जांच के दौरान पहले बयान दिया कि मूंग लोड ही नहीं की गई, लेकिन कुछ दिन बाद वही बयान बदल कर कहा कि प्रबंधक पाटिल के कहने पर

मूंग ट्रक में लोड कराई गई थी। इतना ही नहीं, वेयरहाउस के आठ कर्मचारियों ने संगठित होकर एक ज्ञापन भी अधिकारियों को सौंपा था, जिसमें लिखा गया कि पाटिल के दबाव में मूंग लोड की गई और उसी दबाव में गलत बयान भी देना पड़ा।

इस बीच, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन और राजस्व विभाग की संयुक्त जांच में कर्मचारियों से पूछताछ की गई, लेकिन जवाब टालमटोल वाले और विरोधाभासी रहे। आठ कर्मचारियों से पूछताछ में कईयों ने अलग-अलग बयान दिए, जिससे यह मामला और ज्यादा पेचीदा हो गया है।

सवाल अभी बाकी हैं...

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि

- अगर मूंग लोडिंग में और लोग शामिल थे, तो उन तक जांच कब पहुंचेगी?
-पर्दे के पीछे छिपे 'मास्टरमाइंड' कब बेनकाब होंगे?
- 6 कट्टियों का अंतर क्यों आया? क्या इससे और भी हेराफेरी की परतें खुलेंगी?
-ह्यवेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारी फिलहाल मीडिया से बात करने से बच रहे हैं, लेकिन संकेत दिए हैं कि जांच पूरी होने के बाद ही वे स्थिति स्पष्ट करेंगे ।जांच की रफ्तार अब तेज हुई है, लेकिन न्याय की मंजिल अभी बाकी है ।यह देखना दिलचस्प होगा कि अब अगला मोड़ क्या आता है और क्या सच पूरी तरह सामने आ पाता है या नहीं।

भाजपा पुरानी इटारसी मंडल ने डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर किया पौधारोपण

इटारसी, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी पुरानी इटारसी मंडल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए। मंडल के कार्यकर्ताओं ने कुल 42 बूथों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 15 अलग-अलग स्थानों पर पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, उनके सिद्धांतों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। बूथ स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से, भाजपा पुरानी इटारसी मंडल ने पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया और हरित भारत के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित किया। इस पहल की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की। यह कार्यक्रम डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को याद करने और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

ई-केवायसी व आधार फिडिंग कार्य की गति बढ़ाएं

कलेक्टर जैन ने बैठक में दिये आवश्यक निर्देश

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होने वाला खाद्यान्न अपात्र व्यक्तियों को न मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने सूची से अपात्र हितग्राहियों के नाम हटाने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में भी निर्देश दिये। कलेक्टर जैन ने जनपद पंचायतों के सीईओ व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को समग्र व आधार लिंकिंग तथा ई-केवायसी की कार्यवाही की गति बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, रोजगार सहायक व सचिव का दल बनाकर योजनाओं के तहत हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण कराएं। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ एसडीएम महेश बडोले, अशोक डेहरिया, कुमार शानु देवडिया भी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर जैन ने कार्य में लापरवाही बरतने पर बालागांव के सचिव के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री जैन ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉट अटेंडेन्ट न रहे। शिकायतकर्ता से बात कर शिकायत का संतुष्टीपूर्वक निराकरण करें। उन्होने जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत शहर में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारें तथा शहर में सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि शहर के पार्कों में सौन्दर्यीकरण के कार्य कराएं। उन्होने सभी अधिकारियों को अपने कार्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। कलेक्टर जैन ने सिराली, खिरकिया, टिमरनी व हरदा के सीएमओ को निर्देश दिये कि अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक कचरे वाले स्थान चिन्हित करें और उनकी सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने शहरी क्षेत्र के नाले व नालियों की वर्षा पूर्व सफाई की कार्यवाही कराने के निर्देश भी चारों सीएमओ को दिये। उन्होने लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सडक विकास निगम, ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र में पहुँच मार्गों की आवश्यक रिपेयरिंग कराने के निर्देश दिये। उन्होने ग्रामीण पुल पुलियों की रिपेयरिंग कराने के लिये भी अधिकारियों से कहा। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए पुल पुलियाओं पर आवश्यक बेरिकेटिंग की व्यवस्था करें।

महिला बाल विकास विभाग और मुस्कान संस्था द्वारा साइबर अपराध पर कार्यशाला एवं पौधारोपण

इटारसी, देशबन्धु। आज महिला बाल विकास विभाग द्वारा मुस्कान संस्था में साइबर अपराध को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राहुल बनर्जी ने साइबर अपराध से बचाव और इसकी विभिन्न बारीकियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर, मुस्कान संस्था परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देता है। महिला बाल विकास विभाग की अधिकारी दीप्ति शुक्ला ने बताया कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत लगातार विभिन्न कार्यक्रम शासन की योजनाओं के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उन्हें सशक्त बनाना है।

मुस्कान संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने इस अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि उनकी संस्था द्वारा साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न की रोकथाम और अन्य सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान निरंतर चलाए जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यह आयोजन साइबर सुरक्षा के महत्व और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बागरूल में कार्यक्रम का आयोजन किया,जन-जन करें प्रकृति से दुलार: गायत्री परिवार

गायत्री परिवार ने पर्यावरण शुद्धिकरण यज्ञ किया, पौधारोपण कर दिलाया अनोखा संकल्प

हरदा, देशबन्धु। शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागरूल,जिला - हरदा में डी.एल.एड द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापकों का विदाई समारोह कार्यक्रम रखा गया । जिसमें गायत्री परिवार द्वारा पर्यावरण शुद्धिकरण यज्ञ एवं पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के सियाराम गौर (पूर्व मुख्य ट्रस्टी) जी. आर.गौर, प्रभु दयाल गौर, दिलीप गौर ,श्रीमती साधना गौर, श्रीमती कुसुम गौर और श्रीमती किरण गौर शामिल हुई। सभी सदस्यों ने विधि विधान से मां गायत्री का यज्ञ पर्यावरण शुद्धिकरण हेतु किया। गायत्री परिवार के जी. आर.गौर ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देने का छात्र एवं अध्यापकों को संदेश दिया। इसी कड़ी में जिला परियोजना समन्वयक एवं सहायक संचालक बलवंत पटेल ,संस्था के प्राचार्य अजय कुमार कुम्भारे, उ.मा.वि प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता संस्था के शिक्षक संजय वर्मा, सोहन वर्मा एवं अर्चना भैंसारे के साथ-साथ डी.एल.एड प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक बलवंत पटेल ने छात्र अध्यापकों को डी.एल.एड प्रशिक्षण के उपरांत शालाओं में अच्छी और बेहतर शिक्षा देने के लिए शुभकामनाएं दी। संस्था के प्राचार्य श्री कुम्भारे ने शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों एवं सकारात्मक कार्य को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन संस्था के शिक्षक संजय वर्मा एवं आभार महेश कुमार गुप्ता ने व्यक्त किया।

जल संरक्षण के कदम : सरकारी कार्यालयों में नगर पालिका करा रही रेन वॉटर हार्वेस्टिंग

इटारसी, देशबन्धु। वर्षा जल संचयन के लिए लोगों को जागरुक करना लगभग बेअसर होने के बाद आखिरकार नगर पालिका ने पिछले वर्ष स्वयं आगे आकर सरकारी कार्यालयों में यह कराने का कदम उठाया है। बारिश का पानी भूमिगत करने नगर पालिका द्वारा गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत लगभग सभी शासकीय इमारतों पर वाटर हार्वेस्टिंग कराई जा रही है।

नगर पालिका भवन, एसडीएम कार्यालय भवन, तहसील कार्यालय, कोर्ट परिसर, ऑडिटोरियम एवं अन्य कई भवन एवं निजी इमारतें भी शामिल हैं, जहां वाटर हार्वेस्टिंग का काम कराया जा रहा है।

अब तक ये किया

अब तक लगभग 50 हजार वर्ग फीट की छतों के जल को वाटर हार्वेस्टिंग द्वारा भूमिगत करने का प्रयास किया गया है। इस पूरे अभियान को नगर पालिका के माध्यम से संजय मनवारे द्वारा किया जा रहा है। पिछले लगभग 10 सालों में नगर की शासकीय इमारतों जैसे शालाओं, बड़े स्कूलों, कॉलेजों एवं निजी स्कूलों अस्पतालों की छतों को वाटर हार्वेस्टिंग द्वारा जल को भूमिगत किया है। इस वर्ष भी नगर पालिका ने इन्हें सभी शासकीय एवं निजी भवनों की वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए अधिकृत किया है। अब तक इस वर्ष लगभग 50 से 75 हजार वर्ग फीट छतों का पानी सहेजा गया है।

क्या है रेन वाटर हार्वेस्टिंग

रेन वाटर हार्वेस्टिंग का मतलब है बारिश के पानी को इकट्ठा करना और बाद में उपयोग के लिए संग्रहीत करना। इसे विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके किया जा सकता है, जैसे कि छत से पानी इकट्ठा करना या भूजल को रिचार्ज करना।

वर्षा जल संचयन के लाभ

वर्षा जल संचयन से पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है

वर्षा जल को जमीन में रिसने देकर, भूजल स्तर को रिचार्ज किया जा सकता है.

वर्षा जल का उपयोग करने से पानी के बिलों को कम किया जा सकता है

वर्षा जल संचयन से पानी के स्रोतों पर दबाव कम होता है और पानी का संरक्षण होता है

वर्षा जल संचयन के तरीके

छत पर इकट्ठा हुए पानी को पाइपों के माध्यम से टैंकों या भूजल रिचार्ज संरचनाओं में जमा किया जाता है

वर्षा जल को जमीन में रिसने देने के लिए गड्ढे, खाई या कुओं का उपयोग किया जाता है

तालाबों, झीलों या अन्य जल निकायों में वर्षा जल को जमा किया जाता है

वर्षा जल संचयन क्यों जरूरी

हमारे यहां पानी की कमी एक बड़ी समस्या है, वर्षा जल संचयन एक महत्वपूर्ण तकनीक है, यह न केवल पानी की उपलब्धता बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाता है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए नगर पालिका कदम उठा रही है । वर्षा जल संचयन के लिए वित्तीय सहायता और अन्य प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। कुल मिलाकर, वर्षा जल संचयन एक प्रभावी तकनीक है जो पानी की कमी को दूर करने और पर्यावरण को बचाने में मदद कर सकती है।

सूबेदारगंज-उधना-सूबेदारगंज साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अतिरिक्त फेरे लेकर चलेगी

भोपाल रेल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी गाड़ी

इटारसी, देशबन्धु। समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से सूबेदारगंज-उधना-सूबेदारगंज साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के अतिरिक्त 13-13 फेरों को रेल प्रशासन द्वारा चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी भोपाल रेल मंडल के बीना, रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 04155 सूबेदारगंज-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 07 जुलाई 2025 से 29 सितंबर 2025 तक प्रत्येक सोमवार को सूबेदारगंज स्टेशन से सुबह 11:40 बजे प्रस्थान कर, बीना 23:00 बजे पहुंचकर अगले दिन रानी कमलापति 02:00 बजे, इटारसी 03:40 बजे और मंगलवार दोपहर 13:30 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04156 उधना-सूबेदारगंज साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 08 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को उधना स्टेशन से सायं 16:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी 04:25 बजे, रानी कमलापति 06:30 बजे, बीना 09:40 बजे पहुंचकर और बुधवार रात 21:00 बजे सूबेदारगंज स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 02 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 11 शयनयान श्रेणी, 07 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में फतेहपुर, गोविंदपुरी, भीमसेन, पोखरायां, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, खण्डवा, भुसावल, पलाधी, अमलनेर, नंदुरबार एवं चलथान स्टेशनों पर रुकेगी। स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पिछले 24 घंटों में जिले में 1.7 मि.मी. औसत वर्षा, सब तरफ पानी-पानी

हरदा , देशबन्धु। जिले में गत चौबीस घंटों में 1.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया गत चौबीस घंटे में हरदा तहसील में 4.1 मि.मी., टिमरनी में 2.4 मि.मी., खिरकिया में 0 मि.मी., सिराली में 2.4 मि.मी. तथा रहटगांव में 0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस वर्ष अब तक जिले में 62.8 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी है। इस वर्ष अब तक हरदा तहसील में 80.6 मि.मी., टिमरनी में 23.6 मि.मी., खिरकिया में 117.6 मि.मी., सिराली में 74.6 तथा रहटगांव में 18 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि गत वर्ष की 24 जून तक 69.4 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी थी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

1 जून से 24 तक 805.5 मिलीमीटर वर्षा हुई दर्ज

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में 1 जून 2025 से आज दिनांक 24 जून की प्रात: 8 बजे तक जिले में 805.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। गत् वर्ष इसी अवधि में 440.8 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया कि 24 जून 2025 को प्रात- 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 45.1 मिलीमीटर, सिवनी मालवा में 0.0 मिलीमीटर, इटारसी में 25.6 मिलीमीटर, माखननगर में 22.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 18.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 25.8. मिलीमीटर, बनखेड़ी में 9.6 मिलीमीटर, पचमढी में 23.2 एवं तहसील डोलरिया में 15.03 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है।

स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के लिए एक्टिव, प्रारंभ हुई तैयारियां

नर्मदापुरम, देशबन्धु। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी प्रारंभ हो गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के लिए शासन स्तर द्वारा गठित दल जिले के ग्रामों में भ्रमण करेगा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की जिला समन्वयक सुश्री प्रीति बरके ने बताया कि दल के द्वारा जिले के चिन्हित ग्रामों में भ्रमण के आधार पर ही पूरे जिले का आंकलन किया जायेगा। भ्रमण दल ग्राम पंचायतों में खुले में शौच मुक्त की स्थित, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में किये गये कार्य एवं ग्रामीणों से चर्चा कर ग्रामों में स्वच्छता का आंकलन करेगी साथ ही मोबाइल ऐप के माध्यम से भी ग्रामों में फीडबेक कराया जायेगा जिससे कि स्वच्छता का आंकलन किया जायेगा।

लोकतंत्र रक्षकों का होगा सम्मान, केंद्रीय मंत्री उइके रहेंगे मुख्य वक्ता

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, नर्मदापुरम द्वारा सेमिनार आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार का आयोजन 25 जून दोपहर 2 बजे भाजपा जिला कार्यालय, नर्मदापुरम में आयोजित किया जाएगा। मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री दुर्गा दास उईके उपस्थित रहेंगे। यहां लोकतंत्र सेनानी संतोष शर्मा, दिलीप शर्मा आपातकाल के अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम में मीसाबंदी वरिष्ठ समाजसेवी शम्भू सोनकिया, वीरेंद्र द्विवेदी, सुरेश राने, दुष्यंत कुमार गौर, रामाश्रय बाजपेयी, दीपक केकरे, अनंत राम साहू तथा मुल्लू सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुरम की जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला की विशेष उपस्थिति रहेगी। उक्त कार्यक्रम की जानकारी भाजपा जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रसन्न हर्णे ने दी है।

जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाएगा हितलाभ का वितरण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रदेश में स्वरोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन 27 जून 2025 को रतलाम जिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जिला स्तरीय कार्यकम में कॉन्क्लेव का सीधा प्रसारण रेवा सभाकक्ष, कलेक्टरेट कार्यालय में प्रात: 11 बजे से प्रारंभ होगा।

कार्यक्रम का संचालन कलेक्टर के निर्देशानुसार किया जाएगा। जिसमें संबंधित विभागों, बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। साथ ही इस अवसर पर केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार और रोजगार मूलक योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री मुद्रा योजना , प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना , प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन , राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन , मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, सावित्रीबाई फुले स्व-सहायता योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक उद्यम/स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लाभन्वित हितग्रहियों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से हितलाभ वितरण पत्रक प्रदान किए जाएंगे।

भारी बारिश से जलभराव

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारी बारिश के कारण एस एन जी स्कूल तिराहे पर भराया पानी। लोगों को आने जाने में हुई परेशानी।

3 ट्रेक्टर ट्रॉली, 3 डम्पर किए गये जप्त

अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के विरुद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग द्वारा गत दिवस ग्राम-सुरेलारंधीर, तह0-बनखेड़ी से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध उत्खनन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना बनखेड़ी की अभिरक्षा में रखा गया। इसी प्रकार डोलरिया से 01 डम्पर क्रमांक एम.पी.04एच.ई.4817 को गिट्टी का ओवरलोड परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना डोलरिया की अभिरक्षा में रखा गया है। ग्राम बरूआढाना, तहसील-सोहागपुर से 02 डम्पर क्रमांक-एम.पी.05 जेड.ई.8954, एम.पी.05जी8934 को मुरूम / मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एवं ग्राम अजबगांव, तह0-सोहागपुर से 02 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना सोहागपुर की अभिरक्षा में रखा गया है।

उक्त कार्यवाही में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर श्री अनिल जैन, नायब तहसीलदार सोहागपुर श्री रंजीत चौहान, खनि निरीक्षक नर्मदापुरम पिंकी चौहान, प्र0 खनि निरीक्षक श्री कृष्णकांत सिंह परस्ते, सिपाही खनिज श्री हेमन्त राज एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

प्रांत चेतना शिविर में मनाया रानी दुर्गावती बलिदान दिवस

नर्मदापुरम, देशबन्धु। वनवासी कल्याण परिषद मध्य भारत प्रांत चेतना शिविर तीन दिवसीय का कार्यक्रम स्वयंबरम गार्डन गार्डन नर्मदापुरम में चल रहा है, इसमें द्वितीय दिवस पर उद्घाटन सत्र से प्रारंभ राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, प्रांतीय संगठन मंत्री तिलकराज दांगी की उपस्थिति रही । रानी दुर्गावती बलिदान दिवस मनाया गया है । इस अवसर पर मां रानी दुर्गावती के चित्र को लेकर और हमारी बहनों द्वारा मां दुर्गावती की वेशभूषा में चल समारोह में शामिल होकर नर्मदा पुरम के स्वयंवरम गार्डन से मालखेड़ी होते हुए और स्वयंवरम गार्डन में इसका समापन किया गया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में हमारी अखिल भारतीय समिति के सदस्य रेखा नागर के द्वारा रानी दुर्गावती के चरित्र का वर्णन किया । कार्यक्रम में हमारे बीच महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शशी ठाकुर, बनवासी बनवासी कल्याण परिषद क्षेत्र महिला प्रमुख सुश्री ललिता दीदी मुर्मू अखिल भारतीय महिला प्रमुख वनवासी कल्याण आश्रम, श्रीमती रश्मि कुलकर्णी प्रांतीय महिला प्रमुख,श्रीमती सीता प्रजापति महिला प्रमुख प्रांत से महिला प्रमुख, जिला संगठन मंत्री नर्मदा पुरम श्रीमती कावेरी राठौर , प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अभिलाष यादव, कार्यक्रम में नर्मदा पुरम जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह राठौड़, राहुल प्रधान,जिला सचिव अंबर सेठा, सहसचिव अनिल सिंह सोलंकी, विकासखंड इटारसी संयोजक सौरभ सिंह सोलंकी, खेल आयाम प्रमुख शैलेंद्र सिंह राजपूत, जिला समिति सदस्य संजय इवन, सचिन मेहरा एवं प्रांत के विभिन्न जिलों से बहनों द्वारा सहभागिता देकर उपस्थिति रही।

एसटीआर में बाघ से लड़कर साथियों को बचाने वाले हुए सम्मानित

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने हल्के उइके व रामदास की पीठ थपथपाई

सोहागपुर,देशबन्धु। बाइस जून 2025 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढई में 'वन एवं वन्यजीव प्रबंधन परिचर्चा' कार्यक्रम मे उपस्थित हुए । जिसमे श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, नेचर गाइड, ड्राइवर व फील्ड स्टॉफ को इको टूरिज्म गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय समुदायो के सामाजिक आर्थिक विकास, संरक्षित क्षेत्रो के वैज्ञानिक प्रबंधन को समझाया । श्रीवास्तव द्वारा सामान्य वन मण्डल नर्मदापुरम अंतर्गत वन धन केंद्र डूंडादेह द्वारा तैयार शहद का 'वाइल्ड सतपुड़ा वैली हनी' ब्रांड नाम से विमोचन किया तथा केंद्र के उपस्थित सदस्यो का उत्साहवर्धन किया। वहीं, अपनी बहादुर के साथ बाघ से लड़ने वाले रामदास ईवने व हल्के उइके को अपने साहस एवं पराक्रम का परिचय देते हुए जान की परवाह न करते हुए बाघ के हमले से साथी कर्मचारी की रक्षा करने पर प्रशस्ति पत्र व दस हजार रूपये की राशि प्रदान की है । भविष्य मे पैदल गश्ती दल की बाघ से सुरक्षा हेतु बीट गार्ड को अलार्म, इलेक्ट्रिक शॉक व एल ई डी टॉर्च से लैस स्मार्ट स्टिक प्रदान की है मढ़ई इको टुरिज्म गतिविधियों मे शामिल नेचर गाइड, ड्राइवर व फील्ड स्टॉफ कौशल विकास हेतु मढई टूरिज्म केंद्र मे लाइब्रेरी का उद्घाटन किया । इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक नर्मदापुरम अशोक कुमार, क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व श्रीमती राखी नंदा, वन मण्डल अधिकारी नर्मदापुरम मयंक सिंह गुर्जर व वन विभाग नर्मदापुरम के समस्त अधिकारी/कर्मचारी, नेचर गाइड उपस्थित रहे ।

सावधान, बारिश में जब हो सर्पदंश तो करें ऐसे बचाव

नर्मदापुरम , देशबन्धु। जिला प्रशासन ने सांप के डंसने से बचाव और इलाज के लिए जरूरी उपाय बताने के लिए एक एडवाइजरी जारी की। इसमें बताया है कि सर्पदंश जानलेवा हो सकता है, लेकिन सही जानकारी और सावधानी से इससे बचा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार सांप के डसने पर घबराने की बजाय शांत रहना और तुरंत इलाज कराना जरूरी है। घाव को काटें या चूसें नहीं। आइस पैक न लगाएं। साबुन या पानी से घाव नहीं धोएं। अल्कोहल या कैफीन का सेवन न करें। खुद से कोई दवा न दें। मलहम न लगाएं। सपेरे या तांत्रिक के पास न जाएं। समय पर अस्पताल पहुंचना ही सबसे जरूरी है। ऐसे इलाकों में जहां सांपों का खतरा ज्यादा है, वहां प्राथमिक चिकित्सा किट में जरूरी सामान रखें।

डरें नहीं, सतर्क-जागरूक रहें

परिवार और समुदाय को सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक इलाज की जानकारी दें। सांपों की पहचान के बारे में जागरूक करें।

स्लीपिंग बैग, जूते और कपड़े पहनने से पहले उन्हें झाड़ लें। इनमें सांप या कीड़े छिपे हो सकते हैं। पेड़ के नीचे बैठने से पहले जमीन की जांच करें। झाड़ियों या रेत में चलते समय जूते, मोजे और लंबी पतलून पहनें। रात में टॉर्च का इस्तेमाल करें, खासकर बारिश के बाद। झील, नदी और झरनों के किनारे सांपों का बसेरा होता है, वहां सतर्क रहें। सांप को छेड़ें नहीं, न ही मरे हुए सांप को छूने की कोशिश करें। जमीन पर सोने वालों को मच्छरदानी का इस्तेमाल करना चाहिए। संभव हो तो चारपाई या तख्त पर सोएं। पहाड़ी या बागान वाले इलाकों में जाएं तो लॉन्ग बूट पहनें। जहां सांपों का खतरा वहां छड़ी से जमीन पर आवाज करते हुए चलें। पत्थरों के नीचे या गड्ढों में हाथ न डालें। घर के आसपास की घास समय-समय पर कटवाएं।

जनसुनवाई : किसी ने मांगा घर तो कोई समस्या से परेशान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 95 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र सिंह रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 95 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर एवं एसडीएम नीता कोरी, सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में भी किया जा रहा आम नागरिकों की समस्या का समाधान

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती तुलसा बाई, निवासी वार्ड नंबर 33 नर्मदापुरम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण के लिए सहायता दिलाने के लिए जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया। एक अन्य मामले में ग्राम सुआ खेड़ी तहसील माखन नगर के आवेदन कर्ता श्री चंपालाल यादव आत्मज श्री शंकर लाल यादव ने जनसुनवाई आवेदन देते हुए कृषि भूमि मे सीमांकन हेतु आवेदन दिया। एक अन्य मामले में तहसील माखन नगर निवासी कपिल तिवारी स्वर्गीय श्री सुरेंद्र चंद तिवारी ने जमीन में नाम त्रुटि सुधार एवं नामांतरण कि समस्या के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार सिटी मजिस्ट्रेट रावत ने अन्य समस्याओं का भी समाधान किया।

केएफडब्ल्यू प्रतिनिधिमंडल ने सीवरेज परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड परियोजना क्रियान्वयन इकाई नर्मदापुरम के अंतर्गत नर्मदापुरम नगर में संचालित जर्मन विकास बैंक के एफ डब्ल्यू सहायतित सीवरेज परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए के एफ डब्ल्यू का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल नर्मदापुरम पहुँचा।

प्रतिनिधिमंडल में केएफडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारी लूकास मेस, रायनर क्रूस, राहुल मनकोटिया एवं मोहो चतुर्वेदी शामिल रहे। एमपीयूडीसी की ओर से परियोजना प्रबंधक राजेन्द्र खाडे, उप परियोजना प्रबंधक चंद्रशेखर कलवलकर, सीडीओ डॉ.अमित कुल्हार, सिविल अभियंता श्री रौनक पोरवाल, उपयंत्री श्री संदीप, परियोजना सलाहकार की ओर से टीम लीडर अभिनव गोयल, विशेषज्ञ युवा कार्तिक, अनुज दीक्षित, पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ सीमा श्रीवास्तव व छाया खले तथा संविदाकार एवं उनकी टीम की उपस्थिति रही। एक दिवसीय स्थल निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के सभी प्रमुख घटकों का व्यापक अवलोकन किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं क्रियान्वयन रणनीति की गहन समीक्षा करते हुए कार्यों की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने सीवरेज कनेक्शन को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता फैलाने हेतु किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

जनसुनवाई में दृष्टिबाधित हितग्राही की राशन संबंधित समस्या का हुआ त्वरित समाधान

सोहागपुर , देशबन्धु। सोहागपुर में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 08 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें खसरा दुरुस्ती, सीमांकन, नामांतरण आवास योजना से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सभी समस्याओं का समाधान कर अधिकारियों को निर्देश दिये गये। जनसुनवाई के दौरान उपस्थित आवेदनकर्ता श्रीमती बसंती बाई केवट एवं भाई साहब केवट, जो कि दृष्टिबाधित हैं, पूर्व में ग्राम पंचायत रेवा बनखेड़ी में निवासरत थे जो कि वर्तमान में ग्राम पंचायत माचा में निवासरत हैं। उन्होंने जनसुनवाई में उपस्थित होकर राशन दुकान में नामांतरण/संशोधन की मांग की थी, जिससे उन्हें उनके नवीन निवास स्थान पर उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त हो सके। जनसुनवाई के दौरान ही हितग्राहियों की राशन कार्ड मैपिंग ग्राम पंचायत माचा में कर दी गई है। परिणामस्वरूप अब से उन्हें आगामी माह से ग्राम माचा की उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्रदाय किया जाएगा। इसी प्रकार अनुविभाग स्तर सिवनी मालवा में भी आयोजित जनसुनवाई के दौरान 06 आवेदन प्राप्त हुए।

नगर में चल रही श्री राम कथा का आठवां दिन, भक्तिमय माहौल जमकर नाचे भक्त, कई प्रसंगों में बही अश्रुधारा

महाराज भरत से बड़ा कोई भक्त नहीं: पंडित तरुण तिवारी

सोहागपुर, देशबन्धु। नगर के वाटिका गार्डन में श्री राम कथा चल रही है । कथा व्यास तरुण तिवारी महाराज सुना रहे हैं ।उन्होंने आठवें दिन भरत चरित्र की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। भरत चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि महाराज भरत की साधना अद्वितीय और प्रेरणादायक थी। कथा व्यास ने कहा, जग जप राम राम जप जेहि, यानी भगवान स्वयं महराज भरत का स्मरण करते हैं। महराज तुलसी दास ने मानस में महराज भरत के महिमामंडन करते हुए कहा कि तीर्थराज प्रयाग ने उन्हें साधु कहा, भगवान ने लक्ष्मण से कहा कि भरत जैसा पवित्र भाई संसार में दुर्लभ है, और जनक जी ने रानी सुनयना से कहा कि भरत की महिमा भगवान भी पूरी तरह से नहीं बता सकते।

महाराज भरत भगवान श्रीराम की वन जाने से व्यथित थे भरत जी की साधना इतनी कठिन थी कि स्वयं गुरु वशिष्ठ भी उनके पास जाने से घबराते थे। जब उन्हें पिता दशरथ की मृत्यु और भगवान राम के वन जाने का समाचार मिला, तो वह व्यथित हो उठे। भरत जी ने माता कैकेई को कठोर शब्द कहे और सभा में सभी को फटकार लगाई। कौशल्या जी के समझाने पर उन्होंने भगवान से मिलने का संकल्प लिया और अयोध्या वासियों के साथ चित्रकूट पहुंचे।

चित्रकूट में भगवान श्रीराम ने महराज भरत को अपनी खड़ाऊ देकर अयोध्या लौटने का आदेश दिया। भरत जी ने पादुका को सिंहासन पर स्थापित कर अयोध्या का राजकाज संभाला। इस कथा प्रसंग से श्रोताओं के आंखों से आंसू छलक पड़े और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आयोजन को महत्वपूर्ण और भक्तिमय बनाने में मंगल में भक्ति महिला मंडल सोहागपुर के समिति सदस्य श्रीमती सरोज मालवीय,श्रीमति सुलोचना अग्रवाल, श्रीमती ऊषा तेहरिया, श्रीमती प्रभा बसेड़िया, श्रीमती संतोष सहारिया, श्रीमती सरोज ठाकुर, श्रीमती जया जायसवाल, श्रीमती अपर्णा जायसवाल, श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, श्रीमती उर्मिला दीक्षित, श्रीमती गंगा साहू, श्रीमती जमना साहू, श्रीमती अलका पुरोहित, श्रीमती अर्चना पुरोहित, श्रीमती अनिता सराठ श्रीमती रीता दीक्षित, श्रीमती आभा चंदेल, श्रीमती गायत्री साहू, श्रीमती शोभा साहू, श्रीमती कांति चौहान,

श्रीमती पिंकी ब्रमवंशी ,श्रीमती शांति साहू श्रीमती कृष्णा साहू, श्रीमती ललिता धुर्वे, श्रीमती माया पुरविया, श्रीमती राधा मालवीय, श्रीमती विनीता मालवीय, श्रीमती वंदिता दीक्षित, श्रीमती गोल्डी दीक्षित आदि नगर की महिलाओं का विशेष योगदान है समिति सदस्यों ने बताया 25 तारीख को पूर्णाहुति होंगी जिसमें सभी नगर वासियों को आमंत्रित किया गया है

जल गंगा अभियान में 30 तक दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करें : कमिश्नर

कमिश्नर ने वीडियो कांफ्रेंस में कलेक्टर्स को दिए निर्देश, बोले: अतिरिक्त मेहनत करें

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस में हरदा और बैतूल जिले के कलेक्टर्स एवं सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह 30 जून तक शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुरूप जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य पूर्ण कर लेवे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि वर्तमान में अभी 5 से 6 दिन शेष हैं। इन शेष दिनों में टीम लगाकर अतिरिक्त मेहनत कर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज व पुराने जल स्त्रोत को पुनर्जीवित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी जिलों के विकास खंडो में एवं ग्राम पंचायत में जल संरक्षण एवं जल संरचनाओं के पुनर्निर्माण के लिए मेहनत से कार्य कर 30 जून तक हर हाल में लक्ष्य पूरा किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि अतिरिक्त मेहनत से तीनों जिले टॉप 3 में अपनी पोजीशन बना सकते हैं।

जर्जर भवनों को डिस्मेंटल किया जाए: कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स एवं नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जर्जर व जीर्ण शीर्ण शासकीय भवनों यथा स्कूल, छात्रावास, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र एवं अन्य सरकारी भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों से कोई जनहानि ना हो। यदि किसी प्रकार की जनहानि होगी तो संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मूंग पंजीयन में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो: कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की मूंग पंजीयन में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना आए। उन्हें उनके नजदीक के उपार्जन केंद्र मिले। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स अपने अमले को समझाइश दे की फसल गिरदावरी करते समय श्री अन्न फसल जैसे कोदो, कुटकी, रागी फसल की गिरदावरी भी करें। अन्य फसलों के साथ श्री अन्न फसलों की गिरदावरी को पोर्टल पर अपलोड भी करें। बताया गया कि बैतूल जिले में 10 हजार 800 हेक्टेयर में मूंग की फसल बोई गई है और लगभग अब तक 6 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। नर्मदापुरम जिले में 2 लाख 90 हजार हेक्टेयर में मूंग की फसल लगाई गई है। वर्तमान में 43 हजार किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।कमिश्नर ने निर्देश दिए की संभाग की सभी तहसीलों एवं अनुविभागीय कार्यालय में ई ऑफिस सिस्टम से कार्य किए जाएं। इसके लिए सभी तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय ऑन बोर्ड किए जाएं। सभी फाइल ई ऑफिस सिस्टम से ही लिए जाए। सभी प्रकार की ऑफलाइन मैन्युअल फाइल लेना बंद किया जाए।कमिश्नर श्री तिवारी ने लोक सेवा प्रदाय की गारंटी के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रगति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने लोक सेवा गारंटी में प्राप्त सीमांकन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान में सीमांकन के प्रकरण निराकृत करने में लापरवाही बरती जा रही है।

नर्मदापुरम, बुधवार 25 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके

नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, यह बात इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चरितार्थ हो रही है। ट्रंप के खिलाफ उनके पहले कार्यकाल में दो बार महाभियोग प्रस्ताव लाया जा चुका है, कई कानूनी पचड़ों में ट्रंप फंसे हैं, कब ट्रंप सच बोलते हैं, कब दुनिया को बरगलाते हैं इसका ठिकाना नहीं, लेकिन अब वो इजरायल और ईरान को धर्म और सत्य के मार्ग से भटका हुआ बताकर उन्हें सद्बुद्धि देने की प्रार्थना ईश्वर से कर रहे हैं।

दरअसल भारतीय समयानुसार सोमवार देर रात से लेकर मंगलवार तक ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ पर कम से कम 10 पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम का ऐलान किया। एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'इजराइल और ईरान लगभग एक साथ मेरे पास आए और 'शांति' की अपील की। मुझे यह पता था कि अब शांति का समय आ गया है। दुनिया और मध्य पूर्व ही असली विजेता हैं!'

उन्होंने लिखा है, 'दोनों देश भविष्य में जबरदस्त प्रेम, शांति और समृद्धि देखेंगे. उन्हें बहुत कुछ हासिल करना है और अगर वे धर्म और सत्य के मार्ग से भटक गए तो उन्हें बहुत कुछ खोना पड़ेगा।'

एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने लिखा-सभी को बधाई! इजरायल और ईरान के बीच पूरी तरह से सहमति बन गई है कि 12 घंटों के लिए पूर्ण और संपूर्ण युद्ध विराम होगा (अब से लगभग 6 घंटे बाद, जब इजरायल और ईरान अपने अंतिम मिशनों को पूरा कर लेंगे!), इसके बाद ईरान-इजरायल के युद्ध को समाप्त माना जाएगा! आधिकारिक तौर पर ईरान युद्ध विराम की शुरुआत करेगा और 12वें घंटे में इजरायल युद्ध विराम की शुरुआत करेगा। 24वें घंटे में 12 दिवसीय युद्ध के आधिकारिक अंत को दुनिया द्वारा सलामी दी जाएगी।

मैं दोनों देशों इजरायल और ईरान को बधाई देना चाहता हूं कि उनके पास 12 दिवसीय युद्ध को समाप्त करने के लिए सहनशक्ति, साहस और बुद्धिमत्ता है। यह युद्ध सालों तक चल सकता था और पूरे मध्य पूर्व को नष्ट कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और न ही कभी होगा!

इसी तरह के कई और पोस्ट ट्रंप ने लिखे हैं, जिसमें जाहिर हो रहा है कि वो एक तरफ दुनिया का सुप्रीम लीडर खुद को मान चुके हैं और दूसरी तरफ उन्हें हर हाल में नोबेल शांति पुरस्कार चाहिए। पता नहीं ट्रंप के मन में ये कैसी कुंठा है कि वे हर वक्त अपना वर्चस्व दिखाने के साथ-साथ दूसरों से अपने लिए तारीफें सुनना चाहते हैं। पाकिस्तान जैसे देश ट्रंप की इस ख्वाहिश को पूरा भी करते हैं।

ट्रंप ने जिस अंदाज में इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम का ऐलान किया, उसी तरह भारत और पाकिस्तान के बीच भी किया था। जिसमें पाकिस्तान तो पूरी तरह अमेरिकी पाले में दिखा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब तक इसका खुलकर विरोध नहीं किया है। पिछले हफ्ते ट्रंप से फोन पर हुई चर्चा में दावा है कि श्री मोदी ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया, मगर अमेरिका ने ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया और अब भी ट्रंप यही दावा कर रहे हैं।

इधर इजरायल ने युद्धविराम मान तो लिया है, लेकिन उसकी अकड़ अब भी दिख रही है, इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से कहा गया है कि सेना ने अपने सभी लक्ष्य साध लिए हैं। साथ ही ईरान को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम का उल्लंघन करेगा तो फिर जवाबी कार्रवाई होगी। वहीं ईरान ने इजरायल पर ट्रंप के ऐलान के बाद कुछ और हमले किए और बता दिया कि अपने लिए फैसला वह खुद लेगा। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराग़ची ने साफ कहा है कि अगर इजरायल ने सैन्य अभियान बंद कर दिया, तो 'हमारा भी किसी तरह की जवाबी कार्रवाई करने का कोई इरादा नहीं है।' ईरान का साफ कहना है कि हमले की शुरुआत इजरायल ने की, तो रोकने की पहल भी उसे ही करनी होगी।

बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप सोमवार तक ईरान को परिणाम भुगतने और सत्ता बदलने की धमकी दे रहे थे, फिर एक दिन में उनके विचार कैसे बदल गए, इसके प्रत्यक्ष तौर पर तीन कारण दिखाई देते हैं। पहला, ईरान पर हमले के बाद अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में ट्रंप का विरोध शुरु हो गया। दूसरा, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का फैसला लिया, जिसके बाद वैश्विक बाजार में घबराहट दिखी, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाले इस संकरे से जलमार्ग से 20-25 प्रतिशत तेल और गैस विश्व में भेजा जाता है। इसे बंद करने से एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका सब पर असर पड़ता। अमेरिका ने तो इसके बाद सीधे चीन से अपील की थी कि वह होर्मुज का रास्ता बंद करने से ईरान को रोके। और तीसरा बड़ा कारण ईरान का कतर के अल उदैद एयरबेस पर हमला करना था, जो मध्यपूर्व में अमेरिका का अहम सैन्य अड्डा है। कुछ दिनों पहले ही अमेरिका ने यहां से अपने विमान हटा लिए थे। पिछले महीने ही डोनाल्ड ट्रंप ने इस बेस का दौरा भी किया था। अमेरिका के लिए रणनीतिक तौर पर अहम इस बेस को निशाना बनाकर ईरान ने जाहिर कर दिया कि वह न केवल इजरायल बल्कि अमेरिका पर भी हमला कर सकता है और उसे किसी तरह भी झुकाया नहीं जा सकता। इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से युद्ध विराम की बात कही जाने लगी।

हालांकि कतर ने इस हमले को अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता पर हमला बताया तो ईरान ने साफ कर दिया कि उसका मकसद केवल अमेरिकी ठिकाना है, और कुछ नहीं। जाहिर है ईरान ने एक बार फिर इजरायल और अमेरिका को गलत साबित किया है, जो दूसरों की संप्रभुता की धज्जियां उड़ाते हुए हमले करते हैं। इजरायल-ईरान हमले में ईरान के साथ मध्यपूर्व के दूसरे देशों को भी अपने अस्तित्व की चिंता होने लगी और उन्हें संभवत: यह समझ आ गया कि ट्रंप किसी के सगे नहीं हैं। आज वे उनसे लाभ ले रहे हैं और कल को उन पर भी हमला बोल सकते हैं। ट्रंप ने जिस तरह ईरान को फिर से महान बनाने के लिए सत्ता परिवर्तन की बात कही थी, उससे भी खाड़ी देश सावधान हो गए। इसी तरह यूरोप के देश भी जो अमूमन अमेरिका के साथ खड़े रहते हैं, इस बार उन्होंने हाथ पीछे खींच लिए, क्योंकि उन्हें समझ आ गया कि ट्रंप अकारण दुनिया को युद्धों में उलझा रहे हैं और खुद शांति की बात करते हैं। ईरान ने पिछले 13-14 दिनों में जिस तरह सिर ऊंचा रखकर इस लड़ाई को लड़ा है, उससे एक तरफ छोटे देशों में नया स्वाभिमान जागा है और अमेरिका का डर दूर हुआ है। वहीं इजरायल के अभेद्य होने का जो गुब्बारा फुलाया गया था, वह भी फूट गया। कुल मिलाकर वियतनाम का इतिहास फिर दोहाराया जा रहा है।

आपातकाल के पांच दशक और मौजूदा 'आफतकाल'

आपातकाल यानी भारतीय लोकतंत्र का पांच दशक पुराना एक स्याह और शर्मनाक अध्याय.., एक द:स्वप्न.., एक मनहूस और त्रासद कालखंड! दस साल पहले यानी भाजपा के सत्ता में आने और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के एक साल बाद आपातकाल के चार दशक पूरे होने के मौके पर उस पूरे कालखंड को शिद्दत से याद करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने देश में फिर से आपातकाल जैसे हालात पैदा होने का अंदेशा जताया था। हालांकि आडवाणी इससे पहले भी कई मौकों पर आपातकाल को लेकर अपने विचार व्यक्त करते रहे थे, मगर यह पहला मौका था जब उनके विचारों से आपातकाल की अपराधी कांग्रेस नहीं, बल्कि उनकी अपनी पार्टी भाजपा हैरान-परेशान होकर बगलें झांक रही थी। वह भाजपा जो कि आपातकाल को याद करने और उसकी याद दिलाने में हमेशा आगे रहती है।

आडवाणी ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में देश को आगाह किया था कि लोकतंत्र को कुचलने में सक्षम ताकतें आज पहले से अधिक ताकतवर हैं और पूरे विश्वास के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि आपातकाल जैसी घटना दोहराई नहीं जा सकती। बकौल आडवाणी, 'भारत का राजनीतिक तंत्र अभी भी आपातकाल की घटना के मायने पूरी तरह से समझ नहीं सका है और मैं इस बात की आशंका से इनकार नहीं करता कि भविष्य में भी इसी तरह से आपातकालीन परिस्थितियां पैदा कर नागरिक अधिकारों का हनन किया जा सकता है। आज मीडिया पहले से अधिक सतर्क है, लेकिन क्या वह लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध भी है? कहा नहीं जा सकता। सिविल सोसायटियों ने भी जो उम्मीदें जगाई थीं, उन्हें वे पूरी नही कर सकी हैं।'

आडवाणी का यह बयान यद्यपि दस वर्ष पुराना है लेकिन इसकी प्रासंगिकता तब से अब तक दिनोंदिन बढ़ती गई है। आधुनिक भारत के राजनीतिक विकास के सफर में लंबी और सक्रिय भूमिका निभा चुके एक तजुर्बेकार राजनेता के तौर पर आडवाणी की इस आशंका को अगर हम अपनी राजनीतिक और संवैधानिक संस्थाओं के मौजूदा स्वरूप व संचालन संबंधी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो पाते हैं कि आज देश आपातकाल से भी कही ज्यादा बुरे दौर से गुजर रहा है।

यह सच है कि उस आपातकाल के दौरान देश के तमाम विपक्षी नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं को आंतरिक सुरक्षा कानून मीसा के तहत जेल में बंद कर दिया गया था। जो लोग गिरफ्तार नहीं किए जा सके थे उनके परिजनों को प्रताड़ित किया गया था। जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के नाम पर लाखों लोगों की जबरन नसबंदी कर दी गई थी और सेंसरशिप के जरिये अखबारों के मुंह पर ताला लगा दिया था लेकिन उस दौरान कहीं सरकार प्रायोजित दंगे नहीं हुए थे और सांप्रदायिक व जातीय आधार पर लोगों को प्रताड़ित नहीं किया गया था। मगर मोदी राज के अघोषित आपातकाल में यह सब संगठित और सुनियोजित रूप से हो रहा है, जिसमें शासन-प्रशासन की भी पूरी भागीदारी है। दैत्याकार बुलडोजर समूची शासन व्यवस्था का प्रतीक बन गया है, जो कहीं विकास के नाम पर तो कहीं कानून-व्यवस्था के नाम पर कभी भी, किसी के भी कच्चे-पक्के मकान-दुकान को देखते ही देखते जमींदोज कर देता है।

अनिल जैन

जिस मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मान्यता दी गई है, उसकी स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। आज की पत्रकारिता आपातकाल के बाद जैसी नहीं रह गई है। इसकी अहम वजहें हैं बड़े कॉरपोरेट घरानों का मीडिया क्षेत्र में प्रवेश और मीडिया समूहों में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़। इस मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति ने ही मीडिया संस्थानों को जनविरोधी, सरकार का पिछलग्गू और कुछ हद तक देशविरोधी बना दिया है।

दूसरी तरफ केंद्र सहित देश के आधे से ज्यादा राज्यों में सत्तारूढ़ या सत्ता में भागीदारी कर रही भाजपा के भीतर भी हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां मजबूत हुई हैं, जिनका लोकतांत्रिक मूल्यों और कसौटियों से कोई सरोकार नहीं है। आपातकाल के दौर में उस समय के कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने चाटुकारिता और राजनीतिक बेहयाई की सारी सीमाएं लांघते हुए 'इंदिरा इज इंडिया-इंडिया इज इंदिरा' का नारा पेश किया था। आज भाजपा में तो अमित शाह, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस आदि से लेकर नीचे के स्तर तक ऐसे कई नेता हैं जो नरेंद्र मोदी को जब-तब दैवीय शक्ति बताने में कोई संकोच नहीं करते। वैसे इस सिलसिले की शुरुआत बतौर केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू ने की थी, जो बाद में उप राष्ट्रपति बनाए गए।

यह स्थिति सिर्फ सत्तारूढ़ दल की नहीं है। आज देश मे लोकतंत्र के पहरुए कहे जा सकने वाले ऐसे संस्थान भी नजर नहीं आते जिनकी लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता संदेह से परे हो। आपातकाल के दौरान जिस तरह प्रतिबद्ध न्यायपालिका की वकालत की जा रही थी, आज वैसी ही आवाजें सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ न्यायपालिका के किसी-किसी कोने से भी सुनाई दे जाती हैं। यही नहीं, सत्तारूढ़ दल की ओर से न्यायपालिका को नसीहत भी दी जा चुकी है कि वे फैसले ऐसे दे, जिन पर अमल किया जा सके। कई महत्वपूर्ण मामलों में तो अदालतों के फैसले भी सरकार की मंशा के मुताबिक ही आ रहे हैं। सूचना के अधिकार को निष्प्रभावी बनाया जा चुका है।

हाल ही में चुनावों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें जिस तरह सामने आई हैं उससे हमारे चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली की साख पर सवालिया निशान लगे हैं। चुनाव में मिले जनादेश को दलबदल और राज्यपालों की मदद से कैसे तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है, उसका नजारा भी हम बीते वर्षों में गोवा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि राज्यों में देख चुके हैं। नौकरशाही की जनता और संविधान के प्रति कोई जवाबदेही नहीं रह गई है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो समूची नौकरशाही सत्ताधारी दल की मशीनरी की तरह काम करती दिखाई पड़ती है।

जिस मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मान्यता दी गई है, उसकी स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। आज की पत्रकारिता आपातकाल के बाद जैसी नहीं रह गई है। इसकी अहम वजहें हैं बड़े कॉरपोरेट घरानों का मीडिया क्षेत्र में प्रवेश और मीडिया समूहों में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़। इस मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति ने ही मीडिया संस्थानों को जनविरोधी, सरकार का पिछलग्गू और कुछ हद तक देशविरोधी बना दिया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान जो एक नई और खतरनाक प्रवृत्ति विकसित हुई वह है सरकार, सत्तारूढ़ दल और मीडिया द्वारा सेना का अत्यधिक महिमामंडन। यह सही है कि हमारे सैन्यबलों को अक्सर तरह-तरह की मुश्किल भरी चुनौतियों से जूझना पड़ता है, इस नाते उनका सम्मान होना चाहिए लेकिन उनको किसी भी तरह के सवालों से परे मान लेना और उसके पराक्रम का खुलेआम चुनावी इस्तेमाल करना तो एक तरह से सैन्यवादी राष्ट्रवाद की दिशा में कदम बढ़ाने जैसा है।

आपातकाल कोई आकस्मिक घटना नहीं बल्कि सत्ता के अतिकेंद्रीयकरण, निरंकुशता और व्यक्ति-पूजा की निरंतर बढ़ती गई प्रवृत्ति का ही परिणाम थी। आज फिर वैसा ही नजारा दिख रहा है। सारे अहम फैसले संसदीय दल तो क्या, कैबिनेट की भी आम राय से नहीं किए जाते; सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री कार्यालय और प्रधानमंत्री की चलती है।

आपातकाल के दौरान संजय गांधी और उनकी चौकड़ी की भूमिका सत्ता-संचालन में गैर-संवैधानिक हस्तक्षेप की मिसाल थी, तो आज वही भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ निभा रहा है। संसद को लगभग अप्रासंगिक बना दिया गया है। असहमति की आवाजों को चुप करा देने या शोर में डुबो देने की कोशिशें साफ नजर आ रही हैं।

आपातकाल के दौरान और उससे पहले सरकार के विरोध में बोलने वाले को अमेरिका या सीआईए का एजेंट करार दे दिया जाता था, तो अब स्थिति यह है कि सरकार से असहमत हर व्यक्ति को 'पाकिस्तान परस्त' या 'देशविरोधी' करार दे दिया जाता है। आपातकाल में इंदिरा गांधी के बीस सूत्रीय और संजय गांधी के पांच सूत्रीय कार्यक्रमों का शोर था तो आज विकास और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आवरण में हिंदुत्ववादी एजेंडे पर अमल किया जा रहा है। इस एजेंडे के तहत अल्पसंख्यकों, दलितों और आदिवासियों का तरह-तरह से उत्पीड़न हो रहा है।

आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार ने और कुछ उल्लेखनीय काम किया हो या न किया हो लेकिन संवैधानिक प्रावधानों का सहारा लेकर देश पर फिर तानाशाही थोपे जाने की राह को उसने बहुत दुष्कर बना दिया था। यह उस सरकार का प्राथमिक कर्तव्य था जिसे उसने ईमानदारी से निभाया था। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों का अपहरण हर बार बाकायदा घोषित करके ही किया जाए, यह ज़रूरी नहीं। वह लोकतांत्रिक आवरण और कायदे-कानूनों की आड़ में भी हो सकता है। पिछले एक दशक से देश में यही तो हो रहा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी

■ डॉ. ज्ञान पाठक

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों से संकेत मिलता है कि भाजपा के लिए चिंता की वजहें हैं, ऐसे समय में जब पार्टी को खुद को मजबूत करने की सख्त जरूरत है। जिन चार राज्यों में उपचुनाव हुए हैं, वे हैं – गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल। चूंकि केरल में विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 2026 को, पश्चिम बंगाल में 7 मई, 2026 को, पंजाब में 16 मार्च, 2027 को और गुजरात में 19 दिसंबर, 2027 को समाप्त होना है, इसलिए चुनाव के नतीजों का खास महत्व है।

केरल का नीलांबर उपचुनाव माकपा समर्थित निर्दलीय विधायक पी वी अनवर के इस्तीफे के कारण कराना पड़ा। यह सीट माकपा के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। 2021 के चुनाव में अनवर ने 46.9 प्रतिशत वोट पाकर यह सीट जीती थी। कांग्रेस उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे और 45.34 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रहे। भाजपा तीसरे स्थान पर रही और उसे 4.96 प्रतिशत वोट मिले। इस प्रकार यह सीट तीनों राजनीतिक दलों– माकपा, कांग्रेस और भाजपा के लिए रणनीतिक महत्व रखती है।

इस बार माकपा ने अपना उम्मीदवार एम स्वराज को मैदान में उतारा था, जो कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत से 11,077 वोटों से हार गये। माकपा के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि पार्टी एलडीएफ के सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। कांग्रेस उत्साहित है क्योंकि उसने 77737 वोट हासिल करके सीट जीती है जबकि माकपा उम्मीदवार को 66660 वोट मिले हैं।

पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर उपचुनाव है। टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रही है, जो इस उपचुनाव के परिणाम को महत्वपूर्ण बनाता है। टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी राज्य की राजनीति की कमान संभाल रही है।

2021 में एलडीएफ को मिले 81227 वोटों में भारी गिरावट आयी है, और यह संकेत है कि सत्तारूढ़ एलडीएफ केरल के मतदाताओं के बीच सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त है, जबकि राज्य में अब से 11 महीने के भीतर चुनाव होने की संभावना है। पीवी अनवर को खुद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 19,760 वोट मिले।

हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार को मिले वोटों में भी 78527 से गिरावट आयी है, लेकिन यह गिरावट एलडीएफ उम्मीदवार की तुलना में कम है। इस प्रकार यह परिणाम आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस और यूडीएफ के लिए उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है।

केरल भाजपा के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह राज्य में अपनी राजनीतिक पैठ जमाने की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा उम्मीदवार ने 2021 के चुनाव में 8595 वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार उसे 8648 वोट ही मिल सके। इसका मतलब है कि अपने सघन प्रयासों के बावजूद वह केवल 53 वोट ही बढ़ा पायी। राज्य में खुद को मजबूत करने का भाजपा का सपना टूट गया है।

गुजरात की दो विधानसभा सीटों– विसावदर और कादी– पर उपचुनाव भाजपा, आप और कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि पार्टी 1998 से लगातार राज्य पर शासन कर रही है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य है। दो सीटों में से भाजपा ने एक सीट आप के हाथों गंवा दी, जो दर्शाता है कि राज्य में पीएम मोदी और भाजपा का प्रभाव कम होता जा रहा है, जबकि आप का राजनीतिक प्रभाव बरकरार है, बावजूद इसके कि केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई के माध्यम से बिना मुकदमा चलाये ही आप के नेतृत्व को राजनीतिक और कानूनी रूप से कुचल दिया है।

सबसे पहले विसावदर सीट की बात करते हैं, जहां आप विधायक भूपेंद्र भयानी के सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के बाद उपचुनाव हुए। आप के उम्मीदवार इटालिया गोपाल ने फिर भी भाजपा के उम्मीदवार किरीट पटेल के खिलाफ 17554 वोटों के अंतर से सीट जीत ली। आप उम्मीदवार को 75942वोट मिले, जबकि भाजपा को 58388 वोट मिले हैं। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, और भाजपा के लिए अधिक चिंताजनक है, क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे मिले 59147 वोटों से उसके वोट में गिरावट आयी है। भाजपा के लिए अतिरिक्त चिंता आप के वोटों में तेज वृद्धि है, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में 66210 वोट हासिल किये थे। कांग्रेस को पिछले चुनाव में 16963 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 5501 वोट मिले हैं, जो पार्टी की गिरावट को दर्शाता है।

गुजरात की कादी विधानसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार को 39452 मतों के अंतर से हराया है। भाजपा विधायक करशन सोलंकी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा को 99742 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार रमेशभाई चावड़ा को 60290 वोट मिले। भाजपा के प्रति सहानुभूति के बावजूद, इसके वोट 2021 में इसे मिले107052 वोट से घट गये, लेकिन कांग्रेस को मिले 78858 वोट में तेज गिरावट का सामना करना पड़ा। आप उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और उसे पिछले चुनाव में मिले 7253 वोटों के मुकाबले केवल 3090 वोट मिले। सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट को मतदान प्रतिशत में सामान्य गिरावट से समझा जा सकता है। फिर भी, इंडिया ब्लॉक को यह सबक सीखना चाहिए कि अगर वे एकजुट होते हैं तो वे गुजरात में भी भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, जो भाजपा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

आप ने न केवल गुजरात में एक सीट जीती है, उसके मौजूदा विधायक के भाजपा में चले जाने और भाजपा द्वारा आप के रैंक और फाइल को तोड़ने के सभी प्रयासों के बावजूद, बल्कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर भी जीत हासिल की है। यह उन राजनीतिक विश्लेषकों के लिए आंख खोलने वाली बात होनी चाहिए जो भविष्यवाणी कर रहे थे कि आप जल्द ही एक राजनीतिक पार्टी के रूप में समाप्त हो जायेगी। आप के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने यह जीत हासिल की। आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। आप उम्मीदवार को 35179 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 24542 वोट मिले। इससे यह संकेत मिलता है कि आप अभी भी कांग्रेस से आगे है। भाजपा के उम्मीदवार जीवन गुप्ता को केवल 20323 वोट मिले। इस सीट पर 2022 के चुनाव की तुलना में सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट आयी है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के वोटों में गिरावट आप के मुकाबले ज्यादा तेज है। 2022 के चुनाव में आप को 40443, कांग्रेस को 32931 और भाजपा को 28107 वोट मिले थे। यह दर्शाता है कि आप पंजाब में किसी भी अन्य राजनीतिक दल से ज्यादा मजबूत है और इसलिए राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में इसका भविष्य उज्ज्वल है। भाजपा और कांग्रेस के पास पंजाब में अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित होने के कारण हैं। यह शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) पर भी लागू होता है, जिसे 2022 में 10072 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 8203 वोट मिले हैं।

आखिरी, लेकिन कम महत्वपूर्ण नहीं, पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर उपचुनाव है। टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रही है, जो इस उपचुनाव के परिणाम को महत्वपूर्ण बनाता है। टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी राज्य की राजनीति की कमान संभाल रही है, भले ही भाजपा सरकार उसे हटाने की तमाम बातें कर रही हो।

जबकि केरल में, अप्रैल/मई 2026 में विधानसभा चुनावों से पहले इस साल के अंत तक पंचायत चुनाव होने हैं, पश्चिम बंगाल में, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले कोई अन्य चुनाव नहीं है। इसलिए टीएमसी की जीत पार्टी नेतृत्व को विधानसभा चुनावों के लिए सकारात्मक अभियान को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

आपके पत्र

दुर्घटना पीड़ितों के लिए 'कैशलेस' उपचार : नीयत नेक व्यवस्था बेकार

देश में जब सरकार यह कहती है कि 'अब किसी भी सड़क हादसे में घायल को पहले सात दिन रुपए 1.5 लाख तक मुफ्त इलाज मिलेगा', तो लगता है जैसे व्यवस्था ने कोई इंसानी चेहरा पहन लिया है। लेकिन जब ज़मीन पर उतरकर इस योजना की हकीकत देखते हैं, तो वो चेहरा धुंधला दिखता है– कभी फाइलों में खोया, कभी पोर्टल में अटका, और कभी अस्पताल की बेरुखी में दम तोड़ता।

यह नकदरहित उपचार योजना मोटर वाहन अधिनियम की धारा 162 के तहत शुरू की गई थी। उद्देश्य यही था कि किसी गरीब या अमीर को इलाज के लिए अपनी जेब नहीं टटोलनी पड़े। पहली दृष्टि में यह लगता है कि सरकार ने आम जन की पीड़ा को समझा है। लेकिन फिर वही पुराना सवाल उठता है— क्या नीयत और नीति के बीच की दूरी को व्यवस्था कभी पाट पाएगी?

अभी तक कई राज्यों ने तो इस योजना को लागू करने के आदेश ही नहीं दिए हैं। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद जैसे विकसित क्षेत्रों में भी जून 2025 तक अस्पतालों को पता ही नहीं था कि योजना चालू हो चुकी है। क्या ये हास्यास्पद स्थिति नहीं कि योजना चालू हो गई है लेकिन अस्पताल और डॉक्टर उसे ढूंढ रहे हैं जैसे कोई खोया हुआ यातायात संकेत? और जो अस्पताल योजना से जुड़े भी हैं, वहां इलाज की सीमा 1.5 लाख की है। अब ज़रा सोचिए — एक गंभीर सड़क हादसे में भर्ती मरीज़ का आईसीयू, सर्जरी, दवाइयां, जांच—क्या ये सब 1.5 लाख में सिमट सकते हैं? निजी अस्पतालों ने तो साफ कहा है— हमें घाटे में क्यों काम करना चाहिए? और सरकार जवाब देती है — 'देशसेवा!' लेकिन क्या देशसेवा खाली डॉक्टरों की ज़िम्मेदारी है? नीति निर्धारकों की नहीं?

संकट सिर्फ पैसों तक सीमित नहीं है। पोर्टल — हां वही कम्प्यूटर पर बना पोर्टल— जिसे देखकर अस्पताल का बाबू भी माथा पकड़ ले। कभी दस्तावेज़ अपलोड नहीं होते, कभी फार्म अधूरा रह जाता है, और कभी पूरा क्लेम 'त्रुटि' में चला जाता है। मरीज तो क्या, अस्पताल तक को नहीं मालूम होता कि किससे संपर्क करें, कहां सुधार करवाएं। अस्पताल, पुलिस, बीमा एजेंसियां और राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण— सबके पास अलग-अलग नियम, अलग-अलग समझ, और एक जैसी असमंजस है। कोई नहीं जानता किसका क्या काम है। लगता है जैसे योजना एक मंचन है जिसमें सभी पात्र हैं, लेकिन किसी को पटकथा नहीं दी गई।

और तो और, कई बार दुर्घटना इतनी गंभीर होती है कि आसपास के जो अस्पताल हैं, वे योजना में पंजीकृत नहीं होते। ऐसे में वे 'स्थिति स्थिरीकरण' (स्टेबिलाइजेशन) भी करने से डरते हैं, उन्हें डर है कि कहीं पैसा न फंस जाए! परिणाम— घायल मरीज एंबुलेंस में इधर से उधर ढोया जाता है, और उसका 'गोल्डन ऑवर' यानी जीवन बचाने का सबसे कीमती समय— रास्तों में ही बीत जाता है।

अब बात करें सबसे बुनियादी लेकिन सबसे उपेक्षित पक्ष की-जागरूकता। जनता को नहीं पता कि ऐसी कोई योजना है। सड़क पर पड़ी एक घायल महिला को देखकर लोग कैमरा तो निकाल लेते हैं, लेकिन इलाज के लिए योजना का नाम नहीं बता पाते। अस्पताल में कार्यरत स्टाफ तक को नहीं मालूम होता कि कैसे योजना को लागू किया जाए। योजना का लाभ तब मिलेगा जब लाभार्थी को पता ही नहीं कि वो लाभार्थी है?

-प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे?

'दुनिया में ऐसा कौन सा राजनेता है जो अखबारों को पसंद करता हो? फर्क इतना है कि कुछ नेता आलोचना को सहज भाव से स्वीकार कर लेते हैं, कुछ मन ही मन कुढ़ते रहते हैं और कुछ अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर कर देते हैं। मध्यप्रदेश और भाजपा के ही पूर्व मुख्यमंत्रियों की बात करूं तो कैलाश जोशी अखबार में छपी आलोचना से कभी विचलित नहीं होते थे। वीरेन्द्र कुमार सखलेचा को अपनी सरकार के विरुद्ध एक शब्द भी लिखा जाना नागवार गुजरता था। सुन्दरलाल पटवा इसकी कोई परवाह ही नहीं करते थे कि क्या छप रहा है। वे कहते थे- मैं अपना काम कर रहा हूं और अखबार वाले अपना। मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों के इस बारे में अपने-अपने विचार हैं। द्वारिकाप्रसाद मिश्र सामान्य तौर पर आलोचना सहन कर लेते थे, लेकिन एक समय एक अखबार के विज्ञापनों पर उन्होंने कुछ दिन के लिए रोक लगा दी थी। श्यामाचरण शुक्ल संपादकों को सीधे फोन पर नाराजगी जतलाते थे और फिर तुरंत सहज हो जाते थे। अर्जुन सिंह पत्रकारों का कद नापकर तदनुरूप व्यवहार करते थे। दिग्विजय सिंह सखलेचाजी की ही तरह असहिष्णु थे।'

(देशबन्धु में 14 अगस्त 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/08/blog-post_13.html

पावन प्रसंग

मन को अशांत करती है ईर्ष्या

सूर्य अस्ताचल के पीछे छिपने जा रहा था। राह चलते ब्राह्मण समाज का मूर्धन्य वर्ग अपने परिजनों की लंबी होती जा रही छाया को देखकर अनुभव कर रहा था कि उनकी चिंता भी इसी प्रकार बढ़ती जा रही है। कहीं दुष्ट और आसुरी प्रकृति के लोग उनका संहार करने के लिए पीछे-पीछे न आ रहे हों। वे रह-रहकर पीछे मुड़कर देख लेते थे। दूर तक कहीं किसी के आने का संकेत नहीं मिलता था; फिर भी चिंता तो थी ही। जिस प्रांत से वे लोग भागकर आ रहे थे; उसमें दुष्ट-प्रवृत्ति के अवांछनीय व्यक्तियों ने ऐसा उत्पात मचा रखा था कि ब्राह्मणों का वहां रहना भी दूभर हो गया था और उन्हें अपनी प्राण-रक्षा भी कठिन लगने लगी थी।

प्राण-रक्षा के लिए ब्राह्मणों का दल अपने परिवारों सहित महर्षि गौतम के आश्रम में आश्रय पाने के लिए निकल पड़ा था। स्त्रियां व्याकुल होकर पूछ उठतीं- 'कितनी दूर है गौतम का आश्रम?' तो उनके साथ चल रहे पुरुष कह उठते- 'कल मध्याह्न तक पहुंच जाएंगे।'

समाज में अवांछनीयताएं इतनी बढ़ चुकी थीं कि रक्षा के लिए भागे ब्राह्मण और उनके परिवार की स्त्रियों को रात में रुकना भी खतरे से खाली नहीं लगा। पता नहीं वे लोग पीछे आ रहे हों और उनके रुकते ही उन तक पहुंच जाएं; इसलिए वे रात को भी चलते रहे और अगले दिन मध्याह्न के समय ब्राह्मणों ने महर्षि गौतम के आश्रम में प्रवेश किया। विदित था कि महर्षि के आश्रम में सिंह और गो-शिशु एक साथ रहते थे। वहां सभी दुष्ट प्रवृत्तियों का शमन हो जाता था; इसलिए सभी ब्राह्मण वहां पहुंचकर निश्चिंत और निर्भय हो गए। महर्षि गौतम से जब उन्होंने सारी स्थिति स्पष्ट की, तो महर्षि ने कहा-'प्रिय अतिथियो! मैं सब तरह से तैयार हूं। आप अपने अग्निहोत्र के साथ यहां निवास करें।'

समय बीतने लगा। ब्राह्मणों के प्रदेश से समाचार आते रहते थे। वहां दुष्ट और अवांछनीय तत्वों के उत्पात शांत होने लगे थे। इधर महर्षि गौतम द्वारा इतने ब्राह्मणों को प्रश्रय दिए जाने के कारण उनकी कीर्ति भी बढ़ रही थी। एक बार भ्रमण करते हुए देवर्षि नारद महर्षि गौतम के आश्रम में आए। उन्होंने महर्षि की प्रशंसा करते हुए कहा- ऋषिवर आपकी यह कीर्ति तो दिग्दिगंत में गाई जा रही है। धन्य हैं आप जैसे परोपकारी और ब्रह्मनिष्ठ संत, जिनके दर्शन कर मैं कृतार्थ हो गया।

नारद तो चले गए, पर प्रश्रित ब्राह्मणों के - मन में ईर्ष्याग्नि भड़क उठी। गौतम का यश - चारों ओर फैल रहा है। एक दिन ब्राह्मण जाने की तैयारी करने लगे। सुबह का समय था महर्षि गौतम अग्निहोत्र से जैसे ही उठे. और वे अरनी पर्णकुटी की ओर जाने लगे, तो उन्होंने देखा कि आश्रम के आंगन में एक दुबली पतली गाय पड़ी है। उन्होंने डैसे ही निकट जाकर देखा कि गाय जीवित है या मृत। उसकी परीक्षा करने के लिए उसकी पीठ पर हाथ के दंड से हल्का सा प्रहार किया चारों ओर से ब्राह्मण निकल पड़े और उन्होंने शोर मचाया- हाय! हाय! इस पुनीत ब्रह्मबेला में गौहत्या? छोड़ो छोड़ो इस ढोंगी का आश्रम। और प्रकट हो जाने दो संसार के सामने इस पातक को। ऋषि ने ध्यानस्थ होकर देखा कि तो पाया कि यह ब्राह्मणों द्वारा बनाया गया गाय का पुतला है जो उन्हें कलंकित करने के लिए रचा गया है। महर्षि गौतम गुरु ने गंभीर वाणी में कहा-हे ब्राह्मणों. मैं समझ गया हूं कि आपके मूर्धन्य होकर भी आप लोगों के हृदय में इस प्रकार ईर्ष्या और कलुष है, तो आपके समाज में अशांति, अव्यवस्था और विग्रह क्यों नहीं आएंगे?

-युग निर्माण योजना

खेल जगत

चयन ट्रायल के पहले दिन के बाद शीर्ष पर हैं अनीश

देहरादून। त्रिशूल शूटिंग रेंज, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर में आयोजित नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 (ग्रुप 'ए' राइफल/पिस्टल) की शुरुआत के पहले दिन ओलंपियन अनीश भनवाला ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) टी3 मेन्स क्वालिफिकेशन स्टेज 1 में शानदार प्रदर्शन करते हुए लीडरबोर्ड में पहला स्थान हासिल किया। अनीश ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, 99, 97 और 97 के स्कोर के साथ कुल 293 अंक बनाकर क्वालिफिकेशन के पहले चरण के अंत में शीर्ष स्थान पर रहे। उनके पेरिस ओलंपिक टीम साथी विजयवीर सिद्धू (99, 99, 94) ने 292 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अनीश के हरियाणा के साथी मनदीप सिंह 290 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। शीर्ष पांच में नेवी के प्रदीप सिंह शेखावत (290 अंक) और उत्तराखंड के अंकुर गोयल (289 अंक) भी शामिल रहे।

डकेट व क्राली की बदौलत इंग्लैंड मजबूत स्थिति में

- इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी चौथे दिन के बिना क्षति 20 रन से आगे शुरू की और सुबह के सत्र में कोई विकेट खोए बिना 97 रन और जोड़े
- जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पहले घंटे को छोड़ कर इंग्लैंड के बल्लेबाज पर कोई असर नहीं छोड़ पाए

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 24 जून (देशबन्धु)। भारत द्वारा दिए जीत के लिए दूसरी पारी में दिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की नई साइकिल 2025-27 मे पांच टेस्ट की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लीडस में पहले क्रिकेट मैच के पांचवें व अंतिम दिन लंच तक सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के अविजित अर्द्धशतक व जैक क्राली के साथ उनकी पहले विकेट की 117 रन की अटूट भागीदारी की बदौलत मजबूत आगाज किया। तब जैक क्राली 93 गेंद खेल कर चार चौकों की मदद से 42 तथा बेन डकेट 89 गेंद खेल कर आठ चौकों की मदद से 64 रन बना कर खेल रहे थे। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी चौथे दिन के बिना क्षति 20 रन से आगे शुरू की और सुबह के सत्र में कोई विकेट खोए बिना 97 रन और जोड़े। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पहले घंटे को छोड़ कर इंग्लैंड के बल्लेबाज पर कोई असर नहीं छोड़ पाए। खास तौर पर डकेट ने दूसरे घंटे में गियर बदल रनों की रफ्तार तेज कर दी। प्रसिद्ध कृष्ण, शार्दूल ठाकुर और सिराज दूसरे घंटे में बेअसर दिखे और इन सभी के हर ओवर में इस दौरान डकेट और क्राली ने कम से कम एक चौका जरूर जड़सा बेन डकेट ने शार्दूल ठाकुर के तीसरे ओवर की दूसरी गेंद को डीप स्कवॉयर लेग पर खेल कर एक रन दौड़ कर अपना अर्द्धशतक 66 गेंद खेल कर आठ चौकों की मदद से पूरा किया। डकेट ने शुरू के 25 रन 55 गेंद खेल कर पूरे किए और दूसरे घंटे में गियर बदल कर अगले 25 रन मात्र 11 गेंदों में पूरे किए और उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दूल ठाकुर को निशाना बना चौके जड़े। इंग्लैंड ने शुरू के 50 रन संभल कर खेल 99 गेंद खेल कर पूरे किए और अगले 50 रन 50 गेंदों में पूरे किए। डकेट और क्राली ने शतकीय भागीदारी 149 गेंद खेल कर पूरी की। केएल राहुल (137 रन, 247 गेंद, 18 चौके) ऋषभ पंत (118 रन, 140 गेंद, तीन छक्के व 15 चौके) की चौथे विकेट की 195 रन की भागीदारी के टूटने और केएल राहुल के रूप मे पांचवां 333 रन पर गंवाने के बाद भारत की टीम अपने आखिरी पांच विकेट मात्र 31 रन के भीतर खोकर अपनी दूसरी पारी में 364 रन पर आउट हो गई।

राहुल से आगे निकल सकते हैं पंत : मांजरेकर

लीड्स। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक लगाए। इसी के साथ पंत टेस्ट फॉर्मेट में ऐसा करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पंत की तारीफ करते हुए कहा कि पांच मैचों की सीरीज के अंत तक वह इंग्लैंड की धरती पर सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीयों में राहुल द्रविड़ से आगे निकल सकते हैं। संजय मांजरेकर ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा कि जब आप ऋषभ पंत की सभी उपलब्धियों को देखते हैं, तो पहली नजर में विशुद्ध रूप से बल्लेबाज के नजर आते हैं। जब आप इंग्लैंड में बल्लेबाजी के कारनामों, दोहरे शतक बनाने की बात करते हैं, तो उनकी तुलना दिलीप वेंगसरकर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों से की जाती है। मांजरेकर ने आगे कहा कि लेकिन यहां उल्लेखनीय बात यह है कि वह एक विकेटकीपर भी हैं, जो इसे अविश्वसनीय बनाता है। मैं जानता हूं कि कुमार संगकारा जैसे खिलाड़ी का बल्लेबाजी रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वह ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर नहीं है। हेडिंग्ले टेस्ट में दो शतकों के साथ, पंत के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या चार हो गई है।संजय मांजरेकर को लगता है कि अभी सीरीज में चार टेस्ट शेष हैं।

पांचवां दिन बल्लेबाजों के लिए थोड़ा कठिन साबित हो सकता है : राहुल

लीड्स। भारतीय ओपनर केएल राहुल ने हेडिंग्ले की पिच की तुलना उपमहाद्वीप की विकेट से की है और कहा है कि टेस्ट के अंतिम दिन रन बनाना आसान नहीं होगा।भारत ने राहुल के शानदार 137 रन और ऋषभ पंत के मैच के दूसरे शतक की मदद से इंग्लैंड को 371 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 21 रन बना लिए थे और जीत के लिए अब भी 350 रन की जरूरत है। राहुल को उम्मीद है कि 'अंतिम दिन बेहद दिलचस्प' होगा। राहुल ने जियोस्टार के साथ बातचीत में कहा कि मुझे लगता है कि पहले दो दिन काफी गर्मी थी, जिससे पिच पर असर पड़ा है। चौथे दिन के खेल के बाद दरारें अब खुलने लगी हैं। थोड़ी रफ भी बन गई है, और विकेट भी काफी सूखी है। ज्यादातर मामलों में यह उपमहाद्वीप की पांचवें दिन की विकेट जैसी है। राहुल ने कहा कि पांचवें दिन की विकेट आसान नहीं होगी, लेकिन हमें पता है कि इंग्लैंड किस तरह की क्रिकेट खेलता है। वे आक्रामक होकर चौके लगाने और जल्दी रन बनाने की कोशिश करेंगे।

टीम इंडिया शत प्रतिशत जीतेगी मुकाबला: जोशी

चंडीगढ़। भारत-इंग्लैंड के बीच लीड्स में जारी पहला टेस्ट रोमांचक मोड़ पर है। इंग्लैंड को आखिरी दिन जीत के लिए 350 रन की दरकार है, जबकि उसके पास पूरे 10 विकेट शेष हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील जोशी का मानना है कि टीम इंडिया इस मुकाबले को जीत सकती है। बाएं हाथ के स्पिनर सुनील जोशी ने कहा कि सभी 11 खिलाड़ी महत्वपूर्ण हैं। 90 ओवरों का खेल है। मैच के अंत तक, आखिरी बॉल में आखिरी विकेट नहीं गिरा, तो नतीजा नहीं आएगा। मैं इंतजार करूंगा। जडेजा, बुमराह जैसे खिलाड़ियों को पार्टनरशिप में खेलना होगा। मुझे शत प्रतिशत यकीन है कि हम टेस्ट मैच जीतेंगे। जब पूर्व क्रिकेटर से केएल राहुल, गिल और पंत को छोड़कर बाकी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी अपना-अपना रोल निभा रहे हैं, जो अच्छी बात है। हर मैच में हर कोई खिलाड़ी परफॉर्म नहीं कर सकता। चाहे 11 हों या 15, सभी को मौका मिलेगा और सभी परफॉर्म करेंगे। मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 471 रन बनाए। भारत की ओर से इस पारी में यशस्वी जायसवाल (101), शुभमन गिल (147) और ऋषभ पंत (134) ने शतक जड़े। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन जोड़े। इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 106 रन की पारी खेली, जबकि हैरी ब्रूक महज एक रन से शतक चूक गए।

आज से होगी ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के नए 'डब्ल्यूटीसी चक्र' की शुरुआत

■ सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 12-16 जुलाई के बीच जमैका में खेला जाएगा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच 25 जून से तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी। इसी के साथ दोनों देश अपने नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी करेंगे। दोनों देश पहला टेस्ट मैच बारबाडोस में 25-29 जून के बीच खेलेंगे। इसके बाद 3-7 जुलाई के बीच ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट का आयोजन होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 12-16 जुलाई के बीच जमैका में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच शुरुआती दो टेस्ट भारतीय समय के अनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे, जबकि अंतिम टेस्ट मुकाबला 12 जुलाई की देर रात 12 बजे से खेला जाएगा। इस टेस्ट सीरीज के बाद दोनों देश पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलेंगे, जो 20-28 जुलाई के बीच आयोजित होगी। ये टी20 सीरीज जमैका और सेंट किट्स में खेली जाएगी।

चोटिल होने के चलते ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर स्टीव स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच नहीं खेल सकेंगे। यह मेहमान टीम के लिए एक बड़ा झटका है। हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले स्मिथ के फिट होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच अब तक 120 टेस्ट खेले गए, जिसमें 61 ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। 33 मुकाबले वेस्टइंडीज के नाम रहे। दोनों देशों के बीच साल 1930 से लेकर अब तक 25 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं, जबकि एक मुकाबला टाई भी रहा।

वेस्टइंडीज ने 12 साल में द. अफ्रीका के खिलाफ पहली टी-20 सीरीज जीत हासिल की

■ वेस्टइंडीज ने प्रोटियाज पर 2-1 से सीरीज जीत दर्ज की

बारबाडोस, 24 जून (एजेंसियां)। कप्तान हेली मैथ्यूज ने निर्णायक मैच में बेहतरीन व्यक्तिगत प्रदर्शन करते हुए अपनी क्लास दिखाई, जिससे वेस्टइंडीज ने केव हिल में तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका पर छह विकेट से जीत दर्ज करके 12 साल का सूखा खत्म किया। मैथ्यूज (50 गेंदों पर 65 रन) ने शानदार अर्द्धशतक बनाया और वेस्टइंडीज की रन चेज को गति दी, जिसमें शेमेन कैम्पबेल (38 गेंदों पर 42 रन) बेहतरीन जोड़ीदार साबित हुईं, जिससे कैरेबियाई टीम ने नौ गेंद शेष रहते दक्षिण अफ्रीका के 147/6 के स्कोर को हासिल कर लिया। इसकी मदद से वेस्टइंडीज ने प्रोटियाज पर 2-1 से सीरीज जीत दर्ज की, जो 2013 की शुरुआत के बाद पहली बार था जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को द्विपक्षीय टी20 सीरीज में हराया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने मियान स्मिथ के पहले टी20 अर्द्धशतक की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 147 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। लेकिन मैथ्यूज ने शानदार बल्लेबाजी की और नौ चौके और एक बड़ा छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को जीत के करीब पहुंचा दिया। मैथ्यूज 16वें ओवर में 65 रन बनाकर सुने लुस का शिकार बनीं, जिससे दक्षिण अफ्रीका को कुछ उम्मीद बंधी, लेकिन चिनेल हेनरी (नाबाद 20) ने अपना अनुभव दिखाते हुए मेजबान टीम को जीत दिलाई। श्रृंखला हारने से निराश दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने कहा कि वेस्टइंडीज दौरे से उनकी टीम को काफी सकारात्मक चीजें मिली हैं।उन्होंने कहा कि आज के परिणाम से निराश हूं, खास तौर पर इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि हमने काफी रन बनाए हैं।

सार संक्षेप

नोएडा में खेली जाएगी पहली यूपी प्रो हैंडबॉल लीग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रोफेशनल हैंडबॉल लीग का पहला संस्करण इस वर्ष दिसंबर में नोएडा में आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित दस दिवसीय 'यूपी प्रो हैंडबॉल लीग' में कुल 39 मुकाबले खेले जाएंगे। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय और उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी महासचिव अमित पाण्डेय ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि लीग के पहले संस्करण में लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, मेरठ और नोएडा समेत कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे, जिनमें से 15 खिलाड़ी उत्तर प्रदेश के होंगे जबकि दो खिलाड़ी अन्य राज्यों से और एक खिलाड़ी टीम मालिक की पसंद का होगा। विजेता टीम को 10 लाख रुपए, उपविजेता को सात लाख रुपए और तीसरे व चौथे स्थान की टीमों को 2.5 लाख रुपए-2.5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर में लखनऊ में होने वाली नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। नीलामी में करीब 120 खिलाड़ी शामिल होंगे और बेस प्राइस 20 हजार रुपए से शुरू होगा।

ललित और नीलोत्पल ने तीन-तरफा मुकाबले में संयुक्त बढ़त बनाई

मुंबई। भारतीय ग्रैंडमास्टर ललित बाबू और नीलोत्पल दास ने 8वें राउंड में शानदार जीत दर्ज की और यहां वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में ऑरियन प्रो मुंबई इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट में जीएम गरीबयान ममीकॉन के साथ संयुक्त रूप से तीन खिलाड़ियों की बढ़त हासिल कर ली। ललित बाबू ने सफेद मोहरों से जीएम एलेक्सी फेडोरोव को 39 चालों में हराया, जबकि नीलोत्पल ने आईएम आर्सेन दावत्यान को हराया। गरीबयान ममीकॉन ने टूर्नामेंट के लीडर जीएम एलेक्सेज अलेक्जेंड्रोव को काले मोहरों से हराकर बड़ा उलटफेर किया और 8 मैचों में 7 अंक लेकर लीडर्स में अपना दावा पेश किया। जीएम अलेक्जेंड्रोव, जीएम लेवन पैंटुलाया, जीएम मैनुअल पेट्रोसियन, जीएम दीपन चक्रवर्ती और जीएम गुयेन डुक होआ सहित नौ खिलाड़ी 6.5/8 के साथ ठीक पीछे हैं।

इवांस लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन के दूसरे दौर में

लंदन। ब्रिटेन के डैन इवांस ने लेक्सस ईस्टबोर्न ओपन में सार्बिया के मिओमिर केकमैनोविच को हराकर टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में खेल रहे 35 वर्षीय खिलाड़ी इवांस ने दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में विश्व के 49वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केकमैनोविच को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है। केकमैनोविच ने पहले सेट में दो बार इवांस की सर्विस तोड़ी, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में ब्रिटिश खिलाड़ी ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की और उसके बाद तीसरा गेम भी जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अगले दौर में इवांस का मुकाबला अमेरिकी दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टॉमी पॉल से होगा।

श्रीलंका बनाम बांग्लादेश: आज से शुरू होगा 'निर्णायक' टेस्ट मुकाबला

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच 25 जून से दूसरे टेस्ट की शुरुआत होने जा रही है। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ था, जिसके बाद सीरीज का यह अंतिम मुकाबला निर्णायक बन चुका है। श्रीलंका-बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। मैच से पहले मेजबान श्रीलंका को बड़ा झटका लग चुका है। तेज गेंदबाज मिलन रत्नायके बाएं हिस्से में खिंचाव के चलते दूसरे मुकाबले से बाहर हो चुके हैं। दूसरी ओर, अनुभवी ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज भी पहले टेस्ट के बाद इस फॉर्मेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में इनकी जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो और डुनिथ वेलालेज को टीम में शामिल किया गया है। बांग्लादेश की बात करें, तो नजमुल शांतो की कप्तानी में टीम दो मुकाबलों की इस सीरीज को अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। नजमुल शांतो गॉले में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले बल्लेबाज थे। उनके अलावा मुशफिकुर रहीम ने भी 163 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में बांग्लादेशी टीम को नईम हसन, हसन महमूद और तैजुल इस्लाम से काफी उम्मीदें होंगी।

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में पेरिस डायमंड लीग की सफलता दोहराना चाहेंगे नीरज चोपड़ा

- नीरज चोपड़ा चोट के कारण पिछले दो संस्करणों में भाग नहीं ले सके थे
- चोपड़ा अपने नए कोच जान जेलेजनी के घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करेंगे

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में शामिल एथलीट्स

- नीरज चोपड़ा (भारत)
- जान विस्का (चेक गणराज्य)
- मार्क एंथनी मिनिचिलो (यूएसए)
- एलेक्जेंडर काका (चेक गणराज्य)
- डू स्मिट (दक्षिण अफ्रीका)
- मार्टिन कोनेकनी (चेक गणराज्य)
- टोनी केरेनन (फिनलैंड)
- थॉमस रोहलर (जर्मनी)
- एंडरसन पीटर्स (जर्मनी)

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। पेरिस डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने शीर्ष स्थान हासिल किया था। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अब मंगलवार को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक-2025 में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नीरज चोपड़ा चोट के कारण पिछले दो संस्करणों में भाग नहीं ले सके थे, लेकिन अब आखिरकार ओस्ट्रावा में उन्हें हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता ने इस सीजन अपने करियर में पहली बार 90 मीटर की दूरी तय की है। वह पिछले हफ्ते पेरिस डायमंड लीग में मिली कामयाबी को यहां भी दोहराना चाहेंगे। ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में नौ जैवलिन थ्रोअर नजर आएंगे। नीरज चोपड़ा के साथ 2016 के साथ ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स भी हैं। एंडरसन पीटर्स दो बार के वर्ल्ड चैंपियन हैं। वह 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके हैं। चोपड़ा अपने नए कोच जान जेलेजनी के घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो चेक जैवलिन लीजेंड और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। दिलचस्प बात यह है कि मीट रिकॉर्ड भी किसी और के नहीं, बल्कि जेलेजनी (94.64 मीटर) के ही नाम है। पहली बार 1961 में आयोजित, गोल्डन स्पाइक चेक सरजमीं पर सबसे महत्वपूर्ण मीट है। यह यूरोप की सबसे पुरानी एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक है। यह डायमंड लीग के बाद दूसरी सबसे बड़ी विश्व प्रतियोगिता है। दुनिया के केवल दस शहर वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज का हिस्सा हैं। भारत में किसी भी टीवी चैनल पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक का सीधा प्रसारण नहीं होगा।

इंटरनेशनल लेवल पर भारत का नाम रोशन करने जा रहे एमएमए फाइटर साहिल

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 52 किलोग्राम कैटेगरी में, भारत और कर्नाटक का नाम रोशन करना चाहता हूं। मैं यह मुकाबला जीतने की पूरी कोशिश करूंगा : साहिल हल्लादकेरी

विजयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक स्थित विजयपुर नगर के रहने वाले साहिल हल्लादकेरी एक युवा फाइटर हैं। साहिल अबू धाबी में होने वाली मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चुने गए हैं, जिसका आयोजन 20-27 जुलाई के बीच होगा। साहिल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वर्षों मेहनत की है। उन्होंने कहा कि मैं अबू धाबी में खेले जाने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के लिए सेलेक्ट हुआ हूं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 52 किलोग्राम कैटेगरी में, भारत और कर्नाटक का नाम रोशन करना चाहता हूं। मैं यह मुकाबला जीतने की पूरी कोशिश करूंगा। साहिल के पिता सुजय हल्लादकेरी उनके कोच भी हैं। पिता को इंटरनेशनल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में अपने बेटे के सेलेक्शन पर गर्व है। सुजय का कहना है कि एमएमए पहले सिर्फ कुछ देशों तक ही सीमित था, लेकिन अब कर्नाटक और खासतौर पर विजयपुर भी अब इस खेल में अपना परचम लहराएगा। सुजय ने कहा कि मैं कर्नाटक विजयपुर का निवासी हूं। मेरा बेटा वर्ल्ड चैंपियनशिप में सेलेक्ट हुआ है। 120 देश उसमें हिस्सा लेने जा रहे हैं। मैं बच्चों को ट्रेनिंग देता हूं। मैं खुद भी भारत का नाम रोशन करना चाहता था। मैं भी वर्ल्ड चैंपियन हूं।

इंटर मियामी और पाल्मेरास ने ड्रॉ खेला दोनों टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई

■ पाल्मेरास ने लियोनेल मेसी के लिए एक बेहतरीन जन्मदिन का तोहफा छीन लिया

मियामी, 24 जून (एजेंसियां)। इंटर मियामी और पाल्मेरास ने मंगलवार (आईएसटी) को 2-2 से ड्रॉ खेला और इसके साथ ही दोनों टीमें फीफा क्लब विश्व कप 2025 के राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर गईं। पाल्मेरास ने लियोनेल मेसी के लिए एक बेहतरीन जन्मदिन का तोहफा छीन लिया। इंटर मियामी ने ग्रुप ए के अंतिम मैच में 79 मिनट तक बढ़त बनाए रखी, इससे पहले ब्राजीलियाई टीम ने लगातार दो गोल करके ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। लुइस सुआरेज द्वारा मिडफील्ड में एक लंबी गेंद को आगे की ओर धकेलने के बाद हेरॉन्स ने बढ़त हासिल कर ली। युवा अर्जेंटीनाई खिलाड़ी पाल्मेरास के डिफेंडरों को चकमा देते हुए वेवर्टन को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गया। सुआरेज ने दूसरे हाफ में समय को पीछे की ओर मोड़ दिया, कई डिफेंडरों को चकमा देते हुए गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त को दोगुना कर दिया। लेकिन मैच खत्म होने में दस मिनट बाकी थे, स्थानापन्न पॉलिन्हो और एलन ने मिलकर पेनल्टी एरिया में प्रवेश किया। पॉलिन्हो ने पाल्मेरास के प्रशंसकों के सामने गोल दागा, जिससे अंतिम चरण में एक रोमांचक मोड़ आया। समय समाप्त होने के साथ ही पाल्मेरास ने बॉक्स में गेंद फेंकी, जिसे ठीक से क्लीयर नहीं किया गया और स्थानापन्न मौरिसियो के पास गिरी, जिन्होंने बॉक्स के किनारे से गोल दागा, जिससे यात्रा कर रहे प्रशंसक खुशी से झूम उठे। यह हमारे लिए एक शानदार मैच था, दक्षिण अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना मुश्किल है। शायद अंत में मैच हमारे हाथ में था, इसलिए यह अजीब लग रहा था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अगर कोई मुझसे कहता कि हम इस तरह की टीमों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन करने जा रहे हैं, तो मैं इस पर हस्ताक्षर कर देता।

टेबल टेनिस कोर्ट का उद्घाटन खिलाड़ी कर सकेंगे नियमित प्रैक्टिस

देहरादून, 24 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्या ने देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित ऑडिटोरियम में मंगलवार को अत्याधुनिक टेबल टेनिस कोर्ट परिसर का उद्घाटन किया। इस सुविधा की शुरुआत खेल विभाग और वेटरन टेबल टेनिस खिलाड़ियों के सहयोग से की गई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती आर्या ने कहा कि देहरादून के टेबल टेनिस खिलाड़ियों को अब अपना अभ्यास नियमित रूप से करने और प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त परिसर मिल गया है। इस सुविधा के बाद टेबल टेनिस में हमारे यहां से और ज्यादा खिलाड़ी निखर कर सामने आएंगे और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। श्रीमती आर्या ने बताया कि पहले यह हाल बैडमिंटन कोर्ट था, लेकिन बाद में बैडमिंटन को नए मल्टीपरपज हॉल में शिफ्ट कर दिया गया था। इसके बाद खेल विभाग ने इस हाल को जूडो और टेबल टेनिस के लिए तैयार करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि अब यहां जूडो के साथ-साथ टेबल टेनिस की छह टेबल स्थापित कर दी गई है।

सार-समाचार

परिवहन विभाग ने दस्तावेजों में कमी पाई जाने पर दो स्कूल बसों को जप्त किया

देवास, देशबन्धु। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार देवास जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं परिवहन विभाग के दल द्वारा जिले में स्कूल बसों की जांच के लिए लिए विशेष अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। जिसके तहत मंगलवार को जिले के टिगरिया गोगा गाँव में परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूल लगने के साथ ही बसों की जाँच की गई। जाँच में एविएस स्कूल की समस्त बसों के दस्तावेजों में कमी पाई गईए जिस पर कार्यवाही करते हुए परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूल की 02 बसों को जप्त किया गया तथा अन्य बसों को 07 दिवस के भीतर सभी प्रकार के दस्तावेज सहित माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन के अनुरूप मापदण्ड पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार अन्य स्कूलों में भी जाँच करने पर बसों में कमी पाई जाने पर कुल 04 स्कूल बसों पर कार्यवाही करते हुए 37 हजार रूपये का राजस्व वसूला गया। आने वाले वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए परिवहन अधिकारी द्वारा समस्त स्कूल बस संचालकों एवं यात्री बस चालकों से अपील की है कि वर्षाकाल में यात्री बसों का संचालन सावधानीपूर्वक करें। अनावश्यक रेसिंग ना करें तथा पुल. पुलियाओं पर जल भराव होने की स्थिति में वाहन पार ना करें। जिले परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

युवा संगम रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आज

छतरपुर, देशबन्धु। बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बुधवार को युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप का आयोजन किया जाएग। ये रोजगार मेला प्रात: 10:30 बजे से महाराजा छत्रसाल बुन्देलखंड विश्वविधालय के छात्रावास परिसर लगेगा। इसमें अप्रेटिसशिप हेतु नेप्स, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना एवं प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनाओं के द्वारा प्रशिक्षण का लाभ दिया जाएगा। जिसमें टाटा मोटर्स, एल.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स, पेटीएम प्राईवेट लिमिटेड, यशस्वी स्किल बेंचर, वर्धमान यार्न एसआईएस सिक्योरिटी एवं अन्य प्रतिष्ठित कम्पनियां साक्षात्कार के माध्यम से आकांक्षी युवाओं का चयन करेगें। इसके अतिरिक्त भाग लेने वाले युवा आकांक्षियों के सामान्य स्वास्थ्य की जांच, युवा परामर्श सेवाएं, मनहित मोबाईल ऐप उमंग, हेल्पलाइन 14425 की जानकारी दी जाएगी। साथ ही स्वस्थ यकृत मिशन, नशा एवं तम्बाकू निषेध, पोषण संबंधित गतिविधियां, फिजिकल एक्टिविटी एवं योग, आभा आईडी गतिविधियां भी नि:शुल्क होंगी।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर समस्याओं को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विभिन्न तहसीलों से आए नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। साथ ही विकासखण्ड स्तर पर प्राप्त होने वाले आवेदनों

को गंभीरतापूर्वक निराकृत करने के लिए कहा जिससे कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु जिला मुख्यालय पर ना आना पड़े। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, आर्थिक सहायता, विद्युत सहित शासकीय की विभिन्न योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

उदयपुरा में जिला स्तरीय युवा संगम मेला आज

रायसेन, देशबन्धु। जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में दिनांक 25 जून 2025 को जनपद पंचायत उदयपुरा में जिला स्तरीय युवा संगम मेले का आयोजन किया गया है। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वधान में आयोजित यह युवा संगम मेला 25 जून को प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक आयोजित किया गया है। इस युवा संगम मेले के माध्यम से युवाओं को विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।इस जिला स्तरीय युवा संगम मेले में नवभारत फर्टीलाइजर भोपाल, वोल्वो, आयशर बगरोदा, टेस्ला ट्रांसफामर्स इंडिया लिमिटेड मण्डीदीप, अनंत स्पिनिंग मिल्स मंडीदीप, नाहर स्पिनिंग मिल मंडीदीप, इंसुलेटर्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स मंडीदीप, आईडब्ल्यूआई स्टेशनरी मण्डीदीप, यश्यवी ग्रुप मण्डीदीप, वर्धमान यार्न मंडीदीप, होम हेल्प सेंटर रायसेन, द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए अनिवार्य योग्यता पदानुसार कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग एवं डिग्री इंजीनियरिंग है। आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष निर्धारित है। इस अवसर पर ऐसे अभ्यर्थी जो स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करना चाहते हैं उन्हें विभिन्न स्वरोजगारमूलक विभागों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा और शासन की ओर से दी जाने वाली सहायता एवं योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

बरसात का मौसम शुरू होते ही हर तरफ हरियाली की चादर

सांची, देशबन्धु। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला शुरू हो चुका है। धीमी लेकिन सतत वर्षा से जल जमीन में समा रहा है, जिससे भूजल स्तर में भी धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। गर्मी के दौरान जलस्तर घटने के कारण नगर में जलापूर्ति दो दिन में एक बार की जा रही थी, जो अब भी यथावत जारी है, जबकि जलस्तर में सुधार आने लगा है।

इस बारिश ने प्रकृति में नई जान फूंक दी है। पेड-पौधों को पर्याप्त जल मिलने से आसपास के जंगलों में हरियाली लौट आई है। पहाड़ों की वह तपती काली चट्टानें, जो गर्मी में दूर से दिखाई देती थीं, अब हरियाली में ढंक गई हैं और जंगल हरे-भरे नजर आने लगे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे जंगलों ने हरियाली की चादर ओढ़ ली हो। हरियाली बढ़ने से न सिर्फ वातावरण शुद्ध हुआ है बल्कि ऑक्सीजन की मात्रा में भी इजाफा हुआ है। साथ ही, वन्य जीवों के लिए यह मौसम राहतभरा बन गया है। घने और हरे जंगलों में उन्हें अब पर्याप्त आहार और आश्रय मिलने से वे आबादी वाले क्षेत्रों की ओर भटकने की संभावना कम हो गई है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष में भी कमी आने की उम्मीद है।बरसात की इस सौगात ने नगर और ग्रामीण अंचलों में नई उमंग भर दी है, और प्रकृति की यह हरियाली लोगों के मन को भी शांति प्रदान कर रही है।

धरबी आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में शिविर आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक रायसेन जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सिलवानी जनपद पंचायत के ग्राम पिपलियाखास और मगरमोली में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आवेदन प्राप्त किए गए। साथ ही योजनाओं के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सम्बल कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ वितरण की कार्यवाही की गई। शिविर में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी

नशामुक्त भारत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ दिलाई

रायसेन, देशबन्धु। जिले में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत गत दिवस रायसेन स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया तथा मनोचिकित्सक दीप्ति सिंह द्वारा विद्यार्थियों को नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि परिवार या आस-पड़ोस में यदि कोई व्यक्ति नशीले पदार्थो का सेवन करता है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर नशामुक्त भारत बनाने में योगदान दें। कार्यशाला में सभी नशामुक्त भारत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बाथम, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाने मैराथन आयोजित

जिले में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान तथा 24 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अंतर्गत नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाने के लिए मंगलवार को भोजपुर में जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग रायसेन द्वारा आयोजित यह मैराथन भोजपुर मंदिर से प्रारंभ होकर भोजपुर बेतवा ब्रिज, होटल शिव शक्ति के सामने से पिपलिया गांव मोड से सीधे पिपलिया गांव से होते हुए सतलापुर रोड गुरुकुल स्कूल के पास समाप्त हुई। मैराथन दौड़ में 200 बच्चों ने भाग लिया। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री मनोज बाथम ने बताया कि जागरूकता मैराथन में बालक वर्ग में अंकित पाल ने प्रथम पुरस्कार, अनिल ने द्वितीय और दीपांशु सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सपना रघुवंशी ने प्रथम, भूमि पटेल ने द्वितीय और पायल नोरिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

मारूति वेन, 9 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं गैस रिफिलिंग मशीन जप्त

देवास, देशबन्धु। जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री दिनेश अहिरवार ने बताया कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग रोकने के लिए खाद्य विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा भार्गव कार केयर एवं आटो पार्टस बामनखेडा, बिलावली पर छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान दुकान में 01 घरेलू गैस सिलेण्डर कंपनी को पाईप के माध्यम से गैस रिफिलिंग मशीन से जोड़कर मारूति वेन के ईंधन टैंक में गैस रिफिलिंग का कार्य करना

पाया गया। जांच के दौरान आटो पार्टस की दुकान के एक कमरे में 08 नग घरेलू गैस सिलेण्डर कंपनी के 07 भरे 01 खाली रखे पाये गये। जांच दल द्वारा मौके से मारूति वेन, 09 घरेलू गैस सिलेण्डर 07 भरे, 01 खाली, 01 आंशिक भरा एवं 01 विद्युत चलित गैस रिफिलिंग मशीन मय गैस पाईप जप्त कर दुकान संचालक रमन भार्गव पिता प्रभात भार्गव एवं वाहन मालिक सुनील प्रजापत पिता अम्बाराम प्रजापति निवासी ग्राम कालुखेडी के विरूद्ध प्रकरण तैयार किया गया। जप्त सामग्री की कुल कीमत 81 हजार 160 रूपये है।

मौके से जप्त वाहन मारूति वेन को थाना बीएनपी देवास की अभिरक्षा एवं जप्त 09 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 01 विद्युत चलित गैस रिफिलिंग मशीन मय पाईप को मॉ चामुण्डा गैस एजेन्सी देवास की सुपुर्दगी में दिये गये। कार्यवाही सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री भानसिंह रायए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री चेतन वर्मा द्वारा की गई।

सुबह से छाए घने बादल, शाम को निकली धूप

जिले में कई जगह हुई बारिश, रायसेन में तरसाया

रायसेन, देशबन्धु। जिले में बारिश का दौर जारी है। कहीं तेज तो कहीं मध्यम बारिश हो रही है, लेकिन जिला मुख्यालय पर केवल रिमझिम बारिश ही हो रही है। मंगलवार को भी सुबह से आसमान पर काले घने बादल छाए, लेकिन बरसे नहीं, बल्कि शाम के समय धूप निकली। मुख्यालय पर लोगों का बारिश का इंतजार बढ़ता जा रहा है। जिले में अब तक 120.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 60.9 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है।

अधीक्षक भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार 01 जून से 24 जून सुबह तक रायसेन में 114.2 मिमी, गैरतगंज में 113.9, बेगमगंज में 176, सिलवानी में 148.2, गौहरगंज में 29, बरेली में 72.8, उदयपुरा में 123, बाड़ी में 140, सुल्तानपुर में 170.3 तथा देवरी में 121.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

सोमवार सुबह से मंगलवार सुबह तक जिले में 13.1 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई। इस दौरान रायसेन में 01 मिमी, गैरतगंज में 28.5, बेगमगंज में 28.9, सिलवानी में 19, गौहरगंज में 01, बरेली में 04, उदयपुरा में 22, बाड़ी में 0.5 तथा देवरी में 26.3 मिमी बारिश हुई।

हिंदी साहित्य और पॉलिटिकल साइंस पढ़ने में ज्यादा रुचि

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश, दूसरे चरण की सीटों का नहीं हुआ आवंटन

रायसेन, देशबन्धु कॉलेजों में प्रवेश के दूसरे चरण में बुधवार को सीटों का आवंट होना था, लेकन देर शाम तक आवंटन नहीं हुआ। संभवत: आज आवंटन की सूची जारी होगी। पहले चरण में प्रवेश की संख्या के अनुसार जो स्थिति बन रही है असके मुताबिक विद्यार्थियों की रुचि परंपरागत विषयों में ज्यादा दिखाई दे रही है। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में तीन प्रमुख विषय कॉमर्स, हिंदी और पॉलिटिकल साइंस में ज्यादा बच्चों ने प्रवेश लिया है। जबकि जॉब ओरिएंटेड कोर्स में अभी विद्यार्थियों ने रुचि नहीं दिखाई है। जबकि कॉलेज प्रबंधन और उच्च शिक्षा विभाग इन विषयों में पढ़ाई करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित कर रहे हैं। पीएम कॉलेज

ऑफ एक्सीलेंस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले चरण में कॉलेज में बीकॉम संकाय में 35 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें कॉमर्स पढने के लिए 19, सीए के लिए 11 तथा कुल 05 विद्यार्थियों ने जॉब ओरिएंटेड कोर्स बीएफएसआई में प्रवेश लिया है।

इसी तरह बीएससी में कुल 77 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है जिसमें बायोटेक्नॉलौजी में 07, बॉटनी में 21, केमिस्ट्री में 07, कंप्यूटरसाइंस में 10, गणित में 06, फिजिक्स में 02 तथा जूलोजी में 25 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। बीए में 147 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। जिसमें अर्थशास्त्र में 17, अंग्रेजी साहित्य में 06, ज्योग्रफी में 01, हिंदी साहित्य में 37, इतिहास में 18, पॉलिटिकल साइंस में 39, संस्कृत में 03, समाजशास्त्र में 26 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। उर्दू विषय में किसी विद्यार्थी ने रुचि नहीं ली है।

मास्टर डिग्री के लिए ये है स्थिति

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में एम के लिए 60 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें अर्थशास्त्र के लिए 10, अंग्रेजी के लिए 09, हिंदी के लिए 14, राजनीति शास्त्र के लिए 17, समाजशास्त्र के लिए 07 तथा उर्दू के लिए 01 विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है। जबकि एमकॉम में कॉमर्स के लिए 15 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। एमएससी करने के इच्छुक 56 विद्यार्थियों में से बॉटनी के लिए 18, केमिस्ट्री के लिए 08, गणित के लिए 15, फिजिक्स के लिए 04 तथा जूलोजी के लिए 11 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 175 आवेदनों की सुनवाई

छतरपुर, देशबन्धु। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई हुई। इसमें मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार भी जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 175 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करके सीईओ ने संबंधित विभाग को निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का प्रमुखता के साथ निराकरण करें। उन्होंने लोगों की समस्याओं को भी सुना। बता दें जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए हैं।

बारिश ने दी गर्मी से राहत, खेत में बुवाई में जुटे किसान

हरपालपुर, देशबन्धु। इस वर्ष जून के महीने में ही मानसून ने दस्तक दे दी है और मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आंधी के साथ बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं किसानों के लिए यह बारिश फायदेमंद साबित हो रही है। माना जा रहा है कि जून-जुलाई में होने वाली बारिश फसलों की सिंचाई, तापमान नियंत्रण, जलस्तर बढ़ाने और पर्यावरण को हरा-भरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, बारिश के कारण कई जगह जलजमाव, सीलन और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। सोमवार को हरपालपुर क्षेत्र में शाम 7 बजे अचानक हुई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वहीं, मंगलवार को दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों को फिर से उमस का सामना करना पड़ा, लेकिन शाम को आसमान में बादल छाने से बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जून-जुलाई की बारिश फसलों के लिए सिंचाई का प्रमुख स्रोत है, जिससे उपज में वृद्धि होती है।

देश की एकता, अखंडता और तिरंगे के लिए डॉ. मुखर्जी ने दिया बलिदानः हितानंद

रायसेन, देशबन्धु। भारतीय जनसंघ के प्रणेता और संस्थापक परम श्रद्धेय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें याद करते हुए नमन करते है। डॉ.मुखर्जी ने हमारे भारत देश की एकता अखंडता और तिरंगा के लिए अपना बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि जहां बलिदान हुए मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है के भाव के साथ हम आज आगे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने सोमवार को सुनारी सलामतपुर मंडल के बूथ क्रमांक 27 में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्मृति दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कही। इससे पूर्व रायसेन बाईपास मार्ग गोपालपुर के पास जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा का जिले की सीमा पर स्वागत किया। सलामतपुर में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय जन संघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा आम जनता के हित में अनेक कल्याणकारी

योजनाएं चलाई जा रही है। जिनका देश के करोड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है उन्होंने योजनाएं बताते हुए कहा कि आज के दौर में किसान सम्मन निधि योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क योजना इस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं हैं जिनका लाभ लोगों के लिए मिल रहा है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं विधायक डॉ प्रभुराम ने भी विचार व्यक्त किए। मंडल अध्यक्ष रितेश अग्रवाल ने प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा एवं जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, विधायक डॉक्टर प्रभु राम चौधरी का साल एवं पुष्पहारों से स्वागत किया। कार्यक्रम के पश्चात कस्बा सुनारी सलमतपुर में प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा, सांची विधायक डॉक्टर प्रभु राम चौधरी ने विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित कर पर्यावरण की दिशा में संदेश दिया। भाजपा संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा के साथ सलामत पुर पहुंचे जहां उन्होंने संघमित्रा होटल में आयोजित भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे स्वर्गीय विमल कुमार जैन की शोक श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके परिवार जनों से भेंट की।

जिला भाजपा कार्यालय में डॉ. मुखर्जी को किया याद

जिला भाजपा कार्यालय में नगर मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी के बलिदान को किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने डॉक्टर मुखर्जी के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहां बलिदान हुए मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है के जोरदार जय कर के साथ कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया, उन्होंने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी इसके बाद अब भारतीय जनता पार्टी के रूप में काम किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राकेश तोमर, महामंत्री राजेश पंथी, नगर मंडल अध्यक्ष आदित्य जीतू शर्मा, मीडिया प्रभारी सी एल गौर, जीतू ठाकुर, श्रीमती वर्षा लोधी, श्रीमती श्रद्धा सिंह, अनिल चौरसिया, मोहन चक्रवर्ती, वरुण खत्री, नरेंद्र पटेल, देवेंद्र यादव, भगवान दास लोहट, जगदीश अहिरवार, राकेश मालवीय सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके साथ ही खरवाई मंडल के ग्राम बरबतपुर में डॉक्टर मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसके अलावा जिला मुख्यालय से लेकर संपूर्ण रायसेन जिले में बूथ स्तर तक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्मृति दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में विलंब बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

बैतूल, देशबन्धु। बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों में जनसामान्य को समय पर सीधा लाभ मिले। इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करें। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में आयोजित समय सीमा की बैठक में दिए। 50 दिवस से अधिक की शिकायतों के निराकरण पर भी सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें। कोई भी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में कोताही न बरतें। उन्होंने एग्रीकल्चर, स्कूल शिक्षा विभाग, लेबर, सामाजिक न्याय विभाग, टेक्निकल एजुकेशन, ट्राइबल वूमेन चाइल्ड डिपार्टमेंट को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक शिकायतों वाले विभाग प्राथमिकता से अपनी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं।

नशा खत्म नहीं होता व्यक्ति खत्म हो जाता है: डॉ. महेश

बैतूल, देशबन्धु। मेरा युवा भारत बैतूल मप्र युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार व उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल द्वारा शासकीय कन्या शाला गंज में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत चलाया गया। यह अभियान विगत 1 जून से 26 जून तक संयुक्त विभाग व समाजसेवियों द्वारा संपूर्ण जिले में नशे की लत को कम करने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज सामूहिक तौर पर शपथ कलापथक विभाग द्वारा लोकगीत गाकर संदेश दिया गया। इसी के साथ चित्रकला प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता, नारे लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य ललित लिल्हारे ने बच्चों से आह्वान किया कि शपथ लो कि हम नशे को अपने जीवन में प्रवेश नहीं करने देंगे। डॉ.महेश गुंजेले ने नशा से बचने हेतु बच्चों को समझाइश दी। धनंजय सिंह ठाकुर ने मेरा युवा भारत की जानकारी से अवगत कराया ।इस अवसर पर आशीष कोकने, कलापथक विभाग के नवल किशोर महोबे ,संजय कलमे, शिव प्रसाद मोहरे ,कृष्ण गोपाल बारमासे ,अशोक कवडे, करण पवार, दीपक मस्कोले आदि मौजूद थे।

बलिदान दिवस पर आदिवासी समाज ने वीरांगना को किया नमन

बैतूल, देशबन्धु। समस्त आदिवासी समाज संगठन के तत्वावधान में गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती मंडावी का बलिदान दिवस 24 जून को श्रद्धा के साथ मनाया गया। यह कार्यकम लाल बहादुर स्टेडियम के सामने स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा स्थल पर आयोजित हुआ, जहां समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, छात्राएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यकम की शुरुआत समाज के अध्यक्ष सुंदरलाल उइके द्वारा प्रतिमा पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण से हुई। इसके बाद उपस्थित सभी समाजजनों द्वारा रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यकम में सरवन सिंह मरकाम, सोहनलाल धुर्वे, शंकर सिंह आहके, बसंत कवड़े, सुनील सलामे, डॉ. राजा धुर्वे, दुर्गा उइके, गीता उइके, देवेश्वरी मरकाम, पुष्पा मर्सकोले, पुष्पा पेंदाम, राजेश कुमार धुर्वे, जितेंद्र सिंह इवने, अविनाश धुर्वे, अंकित कुमरे, सुनील कवड़े, चिंटू ठाकुर, ईश्वर धुर्वे, मोतीलाल मसराम, राहुल धुर्वे सहित अनेक छात्राएं एवं समाजजन उपस्थित रहे।

खास दुकान से कॉपी-किताब, बच्चों की ड्रेस लेने के प्यार भरे दबाव में परिजन

आदेश: किताबें खरीदने नहीं कर सकते मजबूर सच्चाई: स्कूलों से ही थमा रहे हैं दुकान का कार्ड

बैतूल/ आमला, देशबन्धु। अब निजी स्कूलों की मनमानी नहीं चलेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर फीस स्ट्रक्चर सहित तमाम जानकारी सार्वजनिक करने का आदेश जारी किया था। सभी को याद होगा प्रति वर्ष इस तरह की औपचारिकताएं की जाती हैं। इस बार भी हुई। उसके बाद जो नहीं होना चाहिए, वही हो रहा है। नियम के अनुसार, पेरेंट्स को भी किसी खास दुकान से चीजें खरीदने को मजबूर नहीं किया जा सकेगा। किंतु हकीकत यह है कि, पालकों को खास दुकान का विजिटिंग कार्ड थमा दिया जाता है और साफ कहा जाता है कि जल्दी खरीद लो वरना स्टॉक खत्म हो जाएगा। पालकों के सामने जब यह निर्देश घुमा तो उनकी खुशी बढ़ गई कि निजी स्कूलों की लूटखसोट रुकेगी। शुल्क ढांचे (फीस स्ट्रक्चर) में मनमानी की या यूनिफॉर्म, कॉपी-किताब को किसी विशेष दुकान से खरीदने का दबाव बनाया तो उन पर कार्रवाई हो सकती है। कहा तो यह भी गया था कि, स्कूल अपना फीस स्ट्रक्चर और कोर्स की जानकारी सार्वजनिक करे ताकि पेरेंट्स को इसकी जानकारी हो जाए। सच्चाई यह है कि अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा किताबों की सूची और फीस की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। इसके साथ ही स्कूलों द्वारा निश्चित दुकानों से कॉपी-किताबें व यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाया जाने लगा है।

क्या है समाधान?

अभिभावकों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन को चाहिए कि वह इस मामले में जांच करे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। इसके अलावा, स्कूल प्रबंधन को निर्देश देना चाहिए कि वे छात्रों को अपनी पसंद की दुकान से ड्रेस खरीदने की अनुमति दें और उन्हें ड्रेस खरीदने के लिए मजबूर न करें। इससे छात्रों और उनके अभिभावकों को राहत मिलेगी और वे अपनी पसंद की ड्रेस खरीद सकेंगे।

आमला में निजी स्कूलों की ड्रेस एक ही दुकान पर मिलने का मामला

आमला में निजी स्कूलों की ड्रेस एक ही दुकान पर मिलने का मामला सामने आया है, जिससे अभिभावकों को परेशानी हो रही है। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन और दुकानदार के बीच मिलीभगत है, जिससे छात्रों को एक ही दुकान से ड्रेस खरीदनी पड़ रही है। अभिभावकों का कहना है कि एक ही दुकान पर ड्रेस मिलने से उन्हें मजबूरन महंगी ड्रेस खरीदनी पड़ रही है। इससे उनके आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और वे परेशान हो रहे हैं।

इनका कहना है

पेरेंट्स शिकायत करें तो कार्यवाही की जाएगी

बीआर घोटे
बीआरसी आमला

जनसुनवाई में जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपी

ग्राम पंचायत येनस में विकास कार्यों में गड़बड़ी का आरोप

बैतूल देशबन्धु। जनपद पंचायत मुलताई अंतर्गत ग्राम पंचायत येनस में विकास कार्यों को लेकर गड़बड़ियों के आरोप सामने आए हैं।

पंचायत के उपसरपंच हीरालाल परिहार और ग्रामीणों ने मंगलवार 24 जून को जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत सचिव द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी न देकर आवेदन पत्र को ही निरस्त कर दिया गया है। शिकायत में उपसरपंच हीरालाल परिहार ने बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत से मस्टर रोल तथा 14वें और 15वें वित्त आयोग की राशि से हुए कार्यों का पूरा विवरण मांगा था, लेकिन सचिव ने कोई जानकारी नहीं दी। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन उसकी जानकारी न तो पंचों को दी जा रही है और न ही ग्रामसभा में कोई खुलासा किया जा रहा है। वे बोले, जांच उपसरपंच और पंचों की उपस्थिति में कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। ज्ञापन देने वालों में पंच प्रमिला, इंदिरा, संगीता, सतीश, किशोर, सोनू, राजेश माकोड़े सहित कई ग्रामीण शामिल थे। सभी ने पंचायत में व्याप्त अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की जो मशाल जलाई, वह आज भी कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक है : आदित्य बबला शुक्ला

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक प्रधान और एक निशान की दी अवधारणा: केंद्रीय मंत्री

बैतूल देशबन्धु। कोठीबाजार मण्डल के सभी 17 वार्डों के बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई। अर्जुन वार्ड और दुर्गा वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डीडी उईके ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए जो बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अनुच्छेद 370 का विरोध कर देश को एक संविधान, एक प्रधान और एक निशान की अवधारणा दी, जिसे आज हम आत्मगौरव के रूप में महसूस करते हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला योजना समिति सदस्य आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की जो मशाल जलाई, वह आज भी कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक है। हमें उनके विचारों को आत्मसात कर राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कोठीबाजार मण्डल के मण्डल अध्यक्ष विकम वैद्य एवं कैलाश बंडू धोटे, सुभाष वार्ड में हुआ, जहां वार्ड पार्षद श्रीमती किरण खातरकर, बूथ अध्यक्ष और मुख्य वक्ता सावन्या शेषकर अर्जुन और दुर्गा वार्ड में वार्ड पार्षद नरेंद्र हरसुले, पार्षद संतोष भलावी तथा बूथ अध्यक्ष व महामंत्री की उपस्थिति में कार्यकम संपन्न हुआ, जहां मुख्य वक्ता केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डीडी उईके तथा पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला योजना समिति सदस्य आदित्य बबला शुक्ला थे।

युवा कांग्रेस चुनाव की तारीखें घोषित, आईवायसी ऐप से होगी पूरी प्रक्रिया

चुनावी तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे भोग जगदीश

बैतूल देशबन्धु। भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण द्वारा मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव के लिए सदस्यता और मतदान की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव अधिकारी भोग जगदीश बैतूल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विथ आईवायसी ऐप के माध्यम से होने वाले ऑनलाइन सदस्यता और मतदान की तकनीकी प्रकिया की जानकारी साझा की और सभी पात्र युवाओं से इस अभियान में भाग लेने की अपील की। बैठक में तुलसी उइके, राहुल परते, कमलेश यादव, जितेंद्र सिंह इवने उपस्थित रहे।

चुनाव प्राधिकरण के अनुसार सदस्यता और मतदान प्रकिया एक साथ 20 जून को सुबह 9 बजे से प्रारंभ हो गई है। यह प्रकिया 19 जुलाई को सायं 5 बजे तक चलेगी। इस बार संपूर्ण प्रकिया ऑनलाइन माध्यम से विथ आईवायसी ऐप पर संचालित की जाएगी। चुनाव प्राधिकरण ने बताया कि 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के सभी युवक-युवतियां इस प्रकिया में भाग ले सकते हैं। सदस्यता शुल्क 50 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 सायं 5.00 बजे तक रहेगी। आवेदनकर्ता युवा आईवायसी ऐप के माध्यम से सदस्य बनकर उसी प्लेटफॉर्म पर मतदान भी कर सकेंगे। मध्यप्रदेश में युवा कांग्रेस चुनाव के तहत ब्लॉक कमेटी, विधानसभा कमेटी, जिला महासचिव, जिला अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश अध्यक्ष जैसे पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। इन सभी पदों पर चुने जाने वाले उम्मीदवारों के लिए आईवाईसी ऐप से ऑनलाइन वोटिंग होगी। मतदान के लिए पहचान पत्र के रूप में वोटर आईडी कार्ड या ई-मतदान पहचान पत्र के साथ साथ आधार कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। चुनाव प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि सभी दस्तावेजों की सत्यता की जांच की जाएगी, जिसके पश्चात चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव अधिकारी भोग जगदीश ने बताया कि चुनाव प्रकिया में भाग लेने वाले किसी भी उम्मीदवार द्वारा अनियमितता या गड़बड़ी की स्थिति में उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। चुनाव प्राधिकरण ने यह भी कहा कि पूरी प्रकिया पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएगी। प्राधिकरण के सदस्यों ने मध्यप्रदेश के सभी पात्र युवाओं से अपील की कि वे इस लोकतांत्रिक प्रकिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और संगठनात्मक मजबूती के लिए योगदान दें।

सैनिक के परिजन से मारपीट मामले में पुलिस पर केस दबाने का आरोप, 6 महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं

बैतूल देशबन्धु। ग्राम बरसाली निवासी सैनिक का परिवार लगातार न्याय के लिए भटक रहा है, लेकिन पुलिस की बेरुखी और लापरवाही ने उनके घावों को और गहरा कर दिया है। बरसाली निवासी भोजराज यादव और उनकी पत्नी दुर्गावती यादव ने बताया कि उनका बेटा चन्द्रप्रकाश यादव वर्तमान में भारतीय सेना में जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं और ऑपरेशन सिंदूर के चलते उन्हें अवकाश नहीं मिल पा रहा है। वहीं उनके माता-पिता को गांव में अन्य लोगों द्वारा मारपीट, गाली-गलौज और धमकी दी जा रही है, जिसकी शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। परिजनों के अनुसार, विगत 12 जनवरी को बरसाली पुलिस थाने में मारपीट की शिकायत की गई थी, जिसमें सैनिक की मां दुर्गावती यादव और पिता भोजराज यादव के साथ कुछ लोगों द्वारा हमला किया गया था। शिकायत को दर्ज हुए छह महीने हो चुके हैं, लेकिन न तो अब तक चालान कोर्ट में पेश किया गया और न ही किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। इतना ही नहीं, पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस मामले की विवेचना का बहाना बनाकर उन्हें लगातार टाल रही है और आरोपियों का पक्ष ले रही है। परिवार जब-जब थाने जाता है, उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। इससे पीड़ितों में गहरी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्टाचार और मनमानी का जीवंत उदाहरण है, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि एक सैनिक के परिवार को न्याय दिलाने की बजाय पुलिस आरोपियों को बचा रही है। परिवार ने यह भी बताया कि 3 मार्च को एक बार फिर आरोपी पक्ष ने उन्हें गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी, जिसकी एनसीआर शिकायत दुर्गावती यादव ने दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने इसमें भी कोई कार्यवाही नहीं की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक अन्य मामले में 26 और 27 मई की रात को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा रात 11 बजे से 1 बजे के बीच जेसीबी लगाकर गांव की सड़क पर लगभग 100 मीटर लंबा बांध खड़ा कर दिया गया। यह रोड पहले अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अब फिर से उस पर कब्जा कर निर्माण कर दिया गया है। इस मामले में भी शिकायत के बाद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़ित भोजराज यादव ने कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस को शीघ्र ही चालान कोर्ट में पेश करने और दोषियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही बरसाली में सड़क पर हुए अतिकमण और निर्माण की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

गलत इलाज से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत से बवाल

सारनी, देशबन्धु। सोमवार दोपहर में घोड़ाडोगरी के ओझा ढाना में निवास करने वाले 60 वर्षीय सिमरत पाखरे का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया ।डॉक्टर के माध्यम से अच्छे से जांच पड़ताल नहीं की गई और नर्स के माध्यम से इंजेक्शन लगा दिया गया । अचानक 60 वर्षीय सिमरत पाखरे की तबीयत बिगड़ी और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई मौत होते ही परिजनों के माध्यम से घोड़ाडोगरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन एवं लापरवाही पूर्वक उपचार किए जाने का आरोप लगाकर परिजनों के माध्यम से जमकर हंगामा किया गया। तब चोपना से बल बुलाना पड़ गया।

बैतूल से 22 कार्यकर्ता होंगे ग्वालियर अभ्यास वर्ग में शामिल

2 जुलाई से जिले भर में शुरू होगा स्वदेशी संकल्प अभियान, हो रही बैठकें, दी जिम्मेदारी

बैतूल देशबन्धु। स्वदेशी जागरण मंच बैतूल जिला टोली की बैठक मंगलवार 24 जून को सम्पन्न हुई। बैठक में जिले में आगामी योजनाओं को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में विभाग सहसंयोजक धनश्याम मदान, जिला संयोजक निलेश गिरी गोस्वामी, जिला समन्वयक राजेश शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला सह समन्वयक एवं विचार विभाग प्रमुख राहुल कावले ने किया। इस अभियान को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए जिला संयोजक निलेश गिरी गोस्वामी ने चार टोलियों का गठन किया है। इसके अतिरिक्त 11 जुलाई से स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान की शुरुआत होगी। इस अभियान के अंतर्गत स्वदेशी रथ के माध्यम से तहसील स्तर तक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि स्वदेशी जागरण मंच का प्रांत अभ्यास वर्ग 28 से 29 जून तक ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बैतूल जिले से कुल 22 कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक में जिला युवा आयाम प्रमुख धर्मेंद्र सिंह परिहार, जिला महिला कार्य प्रमुख हेमलता कुंभारे, जिला महिला सह समन्वयक ममता मालवीय, जिला कोष प्रमुख योगेश रोचलानी, जिला टोली सदस्य मीना बोरबन, नीलम वागद्रे, वर्षा खाड़े, सुनीता देशमुख, नगर महिला कार्य प्रमुख सरिता रघुवंशी और रूपेश पवार भी उपस्थित रहे।

नशा आर्थिक और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का काम करता है: अग्रवाल

उद्देश्य: तंबाकू, शराब, मादक पदार्थों और अन्य नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों से जागरूक करना है

बैतूल/सारनी देशबन्धु। नशा किसी भी तरह का शरीर और सामाजिक प्रतिष्ठा के अलावा आर्थिक नुकसान पहुंचाने का कार्य करता है यह बात ग्रामीण भारतीय महिला मंडल की अध्यक्ष भारतीय अग्रवाल ने घोड़ा डूंगरी के ग्रामीण क्षेत्र में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए व्यक्ति किया है उन्होंने कहा है कि नशा खराब है इससे दूर रहकर ही अपने घर परिवार में समृद्धि लाने का कार्य किया जा सकता है।

श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि ग्राम भारती महिला मंडल नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए सतत प्रयासरत है, हमारा लक्ष्य सिर्फ नशे से मुक्ति नहीं बल्कि स्वस्थ जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण करना है। यह अभियान तभी सफल होगा जब समाज का हर व्यक्ति इसमें भागीदार बनकर इस पर अमल करेगा तब जाकर ही नशा से मुक्ति मिल पाएगी। उन्होंने यहां भी कहा कि नशे की आदि हुए कई परिवार तबाह हो चुके हैं कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं लेकिन आर्थिक स्थिति इतनी बेहतर नहीं है कि वह अपना इलाज करा कर दोबारा सामाजिक कार्यों में संलग्न हो पर सके ।यह कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल के सहयोग से ग्राम भारती महिला मंडल द्वारा एक जून से 'विश्व नशा मुक्ति भारत अभियान' के अंतर्गत जिले में जन-जागरूकता की अलख जगाई जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज में विशेषकर युवा पीढ़ी , छात्र-छात्राएं महिलाएं नशे के आदि पुरुष वर्ग को जिसमें तंबाकू,शराब,मादक पदार्थों और अन्य नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों से जागरूक करना है। इन गतिविधियों में ग्रामीणों, महिलाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशा छोड़ने की शपथ ली।

जीवन में योग को अपनाकर फाल्गुनी बनी बच्चों के लिए आदर्श

7 साल की फाल्गुनी के लिए योग जीना, योग ही खाना

बैतूल देशबन्धु। आज के डिजिटल युग में जब बच्चे अपने समय का अधिकांश भाग मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में बिता रहे हैं, ऐसे में हमलापुर निवासी 7 साल की फाल्गुनी दुबे ने योग के प्रति अपने समर्पण से एक नया संदेश दिया है। निजी स्कूल में कक्षा तीसरी में अध्ययनरत फाल्गुनी ने अपने जीवन को योग से जोड़कर बच्चों के लिए प्रेरणा का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। फाल्गुनी दुबे का योग से जुड़ा अनुभव 2 साल पुराना है। जब वह सिर्फ 5 साल की थीं, तभी से उन्होंने अपने जीवन में योग को एक नियमित अभ्यास बना लिया था। फाल्गुनी का रोज का रूटीन बेहद अनुशासित और स्वस्थ है। फाल्गुनी के दिन की शुरुआत सुबह 5 बजे होती है 4 से 5 किलोमीटर की दौड़ लगाती है,

जिसके बाद वह एक घंटा योगाभ्यास करती हैं। फाल्गुनी की यह दिनचर्या न केवल शारीरिक रूप से उन्हें फिट रखती है, बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें संतुलित और एकाग्र बनाती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छाई रहीं फाल्गुनी

हाल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बैतूल के जेएच कॉलेज में आयोजित योग कार्यक्रम में फाल्गुनी दुबे ने अपने योग कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फाल्गुनी ने कार्यक्रम में कई प्रकार के आसन और प्राणायाम किए, जिनमें सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, पद्मासन, भ्रामरी प्राणायाम, और कपालभाति जैसे प्रमुख आसन शामिल थे।

उनके आसनों की लय और संतुलन देखकर सभी हैरान रह गए। एक छोटी सी बच्ची द्वारा इतने परिपूर्ण तरीके से योगाभ्यास किया जाना दर्शाता है कि अगर बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन मिले, तो वे अपनी उम्र से कहीं आगे जा सकते हैं। पिता कृष्णकांत दुबे का कहना है कि वह चाहते हैं कि फाल्गुनी और अन्य बच्चे भी योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। -

योग से जुड़ा अनुभव 2 साल पुराना

फाल्गुनी दुबे का योग से जुड़ा अनुभव 2 साल पुराना है। जब वह सिर्फ 5 साल की थीं, तभी से उन्होंने अपने जीवन में योग को एक नियमित अभ्यास बना लिया था। फाल्गुनी का रोज का रूटीन बेहद अनुशासित और स्वस्थ है। फाल्गुनी के दिन की शुरुआत सुबह 5 बजे होती है ।

बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, कहा-

रानी दुर्गावती की वीरता और पराक्रम भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा

- भोपाल के वन विहार की तर्ज पर जबलपुर में बनेगा आधुनिक चिड़ियाघर
- स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होंगी दुर्गावती की वीरता की कहानियां

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती अपने नाम के अनुरूप मां दुर्गा के समान वीर और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं। आज उनका बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती का जन्म लगभग 500 वर्ष पहले हुआ था। अमेरिका सहित पश्चिम के देशों को सामान्य तौर पर संस्कृति में अग्रणी माना जाता है, लेकिन भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। आदिवासी अंचल की रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई नारी सशक्तिकरण की सबसे बड़ी उदाहरण हैं। रानी दुर्गावती के पिता ने 500 साल पूर्व उन्हें घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कौशल में निपुण बनाया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को जबलपुर के नर्रई नाला स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बारहा ग्राम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर का ठाकुरताल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। यहां भोपाल के वन विहार की तर्ज पर एक आधुनिक चिड़ियाघर (रेस्क्यू सेंटर एवं जू) बनाया जाएगा, यह सेंटर गौंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती को समर्पित होगा। यह वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा। राज्य सरकार रानी दुर्गावती सहित सभी महान हस्तियों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन जैसे आयोजनों के लिए नगर निगम जबलपुर को 5 लाख रुपए और कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले प्रत्येक लोक कलाकार को 5-5 हजार रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मोटे अनाज के प्रोत्साहन एवं उपार्जन के लिए रानी दुर्गावती के नाम पर योजना की प्रारंभ की है। रानी दुर्गावती ने अपने जीवनकाल में 52 लड़ाइयां लड़ीं और 51 में विजय श्री प्राप्त की। वीरांगना दुर्गावती ने जल संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए थे। उनके साथ इसी स्थान पर विश्वासघात हुआ था और उन्होंने वीरतापूर्वक अपना बलिदान कर दिया था। रानी दुर्गावती भी चंद्रशेखर आजाद की तरह आजाद रहीं दुश्मन उन्हें कभी हाथ नहीं लगा पाया। उन्होंने वीरांगनाओं को याद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में रानी अवंतीबाई व रानी लक्ष्मीबाई की शौर्य व पराक्रम की अद्भुत गाथा है। वर्तमान समय में आदिवासी अंचल की बहन राष्ट्रपति पद को गौरवांवित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिसीमन के बाद विधानसभा चुनाव में बहनों को भी 33 प्रतिशत आरक्षण देने की भावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के दौरान रानी दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक रानी दुर्गावती को समर्पित करते हुए गोंडवाना की धरती पर करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 10 करोड़ रुपए की राशि समाधि स्थल के विकास के लिए स्वीकृत कराई गई थी। समाधि स्थल को और भव्य तथा आकर्षक बनाने के लिए केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से और राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, राज्य सभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सर्वश्री सुशील कुमार तिवारी इंदु, अशोक रोहाणी, संतोष वरकड़े, डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, जनजातीयजन और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

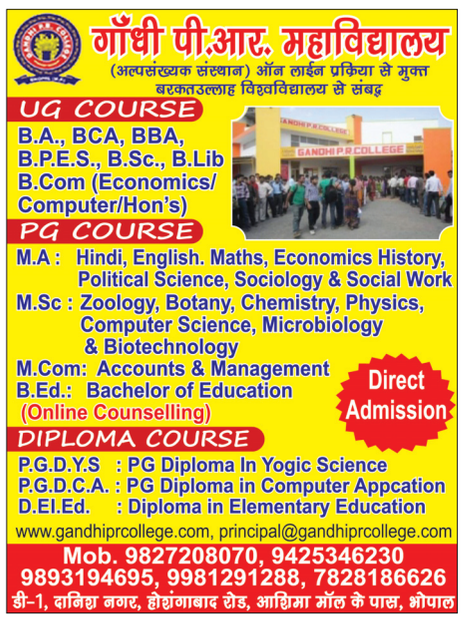

मध्यप्रदेश 25 हजार ईव्हीएम महाराष्ट्र को देगा

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग 25 हजार इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निर्वाचन के लिये किराये पर देगा। इस संबंध में मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू हुआ। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि सहयोगी संघवाद की अवधारणा के अनुरूप आयोग महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग की जरूरत अनुसार उन्हें ईव्हीएम उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को भी ईव्हीएम उपलब्ध करवाई गईं थी। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री दिनेश वाघमारे ने मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त का ईव्हीएम उपलब्ध कराने के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में एक साथ स्थानीय निर्वाचन करवाना है, इसके लिये अत्यधिक संख्या में ईव्हीएम की जरूरत थी। श्री वाघमारे ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईव्हीएम उपलब्ध कराने पर वे आसानी से निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे।

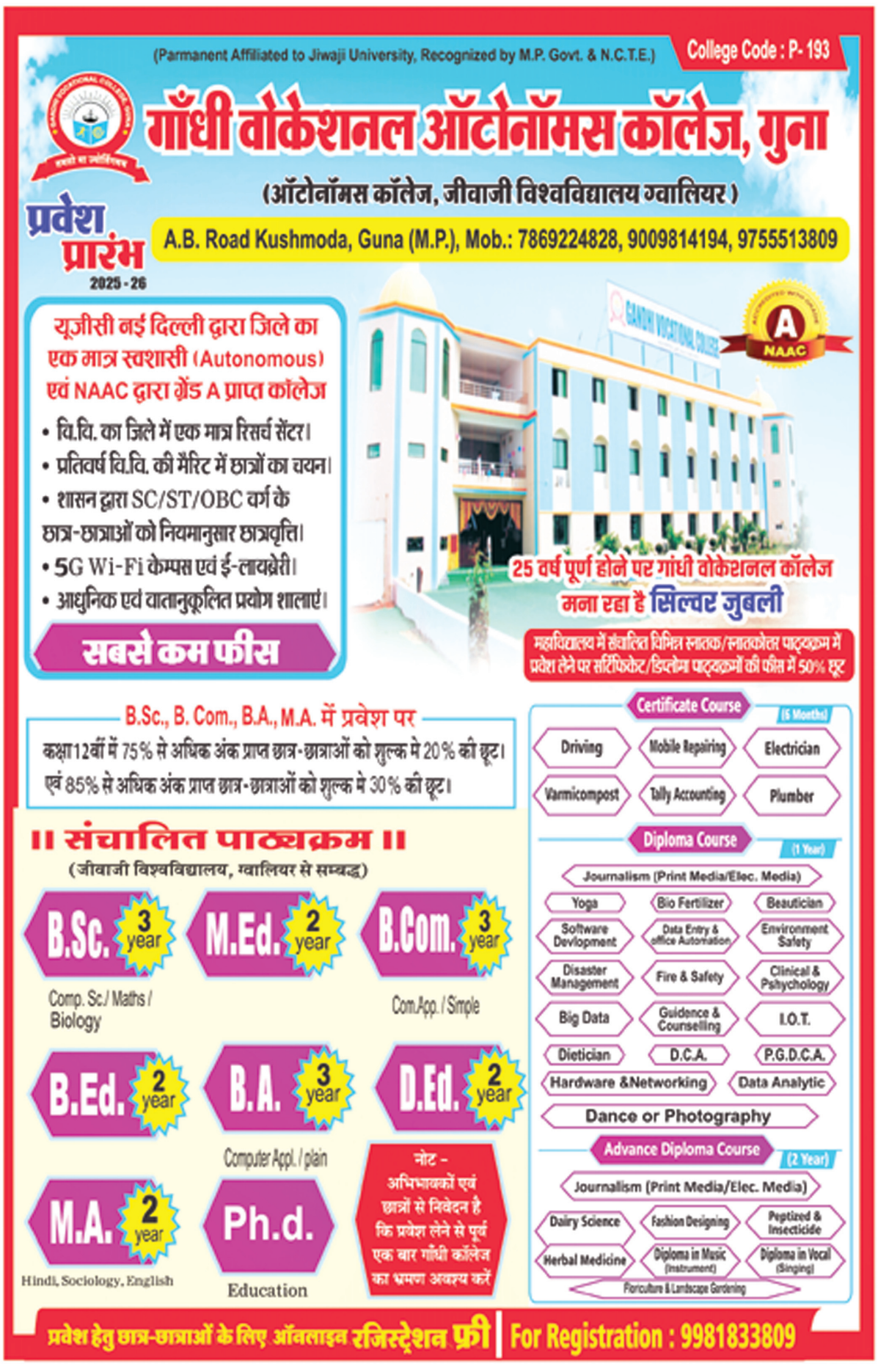

ऑटोनॉमस प्राप्त गुना जिले का एक मात्र स्वशासी, गाँधी वोकेशनल कॉलेज

ॐ शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति गुना ने जिले का प्रतिभाओं को उच्चशिक्षा हेतु महानगरों की ओर पलायन को रोककर जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महानगरीय सुविधायें एवं संसाधन उपलब्ध कराने को लेकर आज से 25 वर्ष पूर्व गांधी वोकेशनल कॉलेज के रूप में जिस पौधे की स्थापना की थी वह आज सर्वोत्कृष्ट शिक्षण सुविधायें उपलब्ध कराने, सर्वोत्तम परीक्षा परिणाम देने एवं छात्र/छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर वह गांधी वोकेशनल कॉलेज गुना जिले एवं विश्वविद्यालय स्तर पर आज विशाल वट वृक्ष के रूप में स्थापित हो चुका है। गाँधी कॉलेज वर्तमान में NAAC द्वारा A ग्रेड प्राप्त प्रदेश के चुनिंदा स्वशासी महाविद्यालयो में से एक है गाँधी वोकेशनल कॉलेज ने विगत 25 वर्षों से निरंतर सफलताओं के नित्य नये सोपान तय करते हुए सफलतम 26 वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। मात्र 25 वर्षों के अल्प समय में गांधी वोकेशनल महाविद्यालय ने छात्रों को शिक्षा से लेकर रोजगार उपलब्ध कराने के क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर छात्रों एवं अभिभावकों की पहली पसंद बनकर जो विश्वास एवं लोकप्रियता हासिल की है वह निःसंदेह प्रशंसनीय है इसका श्रेय उत्कृष्ट प्रबंधन के अलावा उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित अनुभवी प्राध्यापकों एवं समस्त स्टॉफ को जाता है। महाविद्यालय में बी.ए. (सामान्य / कम्प्यूटर), बी.कॉम. (सामान्य/ कम्प्यूटर), बी.एस.सी., गणित, बायोलॉजी एवं कम्प्यूटर, एमए (हिन्दी, इंग्लिश एण्ड सोशलॉजी, पीएचडी एजुकेशन) एम.एड., बी.एड एवं डी. एड जैसे अनेक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। यहाँ विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से छात्रों, प्राध्यापकों एवं अतिथि विद्वानों द्वारा सेमिनार संपन्न किये जाते हैं। आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित कम्प्यूटर प्रयोगशाला में सभी 100 से अधिक कम्प्यूटर इंटरनेट से जुडे हैं।

महाविद्यालय में एक विशाल कम्प्यूटराइज्ड पुस्तकालय है जिसमें सभी विषयों की पाठ्यपुस्तकों के अलावा विश्वस्तरीय विषय विशेष संबंधी लगभग 50 हजार से अधिक पत्र पत्रिकायें उपलब्ध हैं। एम. एड., बी.एड एवं डी.एड हेतु महाविद्यालय में पृथक-पृथक पुस्तकालय उपलब्ध है।

पूर्णकालिक प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट इकाई भी महाविद्यालय में कार्यरत् जो छात्रों के सम्पूर्ण विकास के लिये वार्तालाप कौशल, समूह वार्ता, अभिरूचि विकास तथा व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। अब तक सैकड़ो छात्र / छात्राओं का चयन विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय कंपनियों में आकर्षक वेतन पर हुआ है। कंपनियों द्वारा अन्य शिक्षण संस्थाओं की अपेक्षा गांधी वोकेशनल महाविद्यालय के छात्रों के चयन में प्राथमिकता दी गयी है। भविष्य में अनेक ख्याति प्राप्त कंपनियां महाविद्यालय में कैंपस आयोजित करेंगी। महाविद्यालय में सभी प्रकार के इनडोर एवं आउटडोर गेमों की सर्वोत्कृष्ट सुविधायें छात्रों को उनकी इच्छा एवं अभिरूचियों के अनुसार भाग लेने के लिये प्रेरित करती हैं। गाँधी वोकेशनल कॉलेज द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्र / छात्राओ को प्रदान की जाने वाली सर्वोत्कृष्ट शैक्षणिक सुविधाओ एंव संसाधनो के आधार पर राष्ट्रीय मूल्यांकन एंव प्रत्यानन परिषद NACC जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग UGC की स्वायत संस्था है ने महाविद्यालय को प्रदेश ही नही अपितु देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल करते हुये A ग्रेड प्रदान की है। महाविद्यालय संचालक श्री अवधेश श्रीवास्तव, श्रीमती सीमा श्रीमाल, श्रीमती ज्योति राठी संचालक एवं श्री मंगलेश विजयवर्गीय के अनुसार जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा जिले में एक मात्र गाँधी कॉलेज स्थायी संबद्धता प्राप्त है गाँधी वोकेशनल कॉलेज, जिले का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जो जीवाजी विश्वविद्यालय का शिक्षा शोध केन्द्र होने के साथ जीवाजी विश्वविद्यालय का स्वशासी महाविद्यालय है, और भविष्य मे स्वशासी महाविद्यालय से निजी विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है।

अवधेश श्रीवास्तव संचालक | श्रीमती सीमा श्रीमाल संचालक | श्रीमती ज्योति राठी संचालक | मंगलेश विजयवर्गीय संचालक

वर्तमान में महाविद्यालय द्वारा अनेक रोजगार मूलक सर्टिफिकेट एवं एक व द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है। आगामी सत्रो मे महाविद्यालय की चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विधि, प्रबंधन, कृषि आदि संबंधी अनेक अन्य पाठयक्रम प्रारंभ करने की योजना है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।